www.anokhateer.com anokhateer@gmail.com पंजीयन क्रमांक-एमपीएचआईएन 69306/1998

Epaper

दैनिक अनोखा तीर

हरदा एवं नर्मदापुरम् से एक साथ प्रकाशित

निशाने पर हर खबर

28 फरवरी 2026
हरदा, शनिवार
वर्ष-15, अंक - 264, पृष्ठ-8
मूल्य- 2 रुपए
फाल्गुन शुक्ल पक्ष - 12
विक्रम संवत् 2082

रतलाम के नयाखेड़ा आंगनवाड़ी में टीका लगते ही बिगड़ी बच्चों की तबीयत

एक ने तोड़ा दम, दूसरा आईसीयू में भर्ती

रतलाम (एजेंसी)। जिले के नयाखेड़ा गांव में दो परिवारों के लिए मंगलवार का दिन किसी काल से कम नहीं साबित हुआ। जो माता-पिता अपने बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए आंगनवाड़ी सेंटर में टीका लगवाने गए थे, उन्हें क्या पता था कि शाम होते-होते उनके घर का चिराग हमेशा के लिए बुझ जाएगा। रेगुलर वैक्सीनेशन के

कुछ ही देर बाद दो मासूमों की तबीयत ऐसी बिगड़ी कि पूरे गांव में हड़कंप मच गया। इस लापरवाही ने 10 महीने के नन्हे पियांशु की जान ले ली, वहीं डेढ़ साल का नित्यांशु अभी भी अस्पताल के आईसीयू में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है।

ढाई घंटे तक सिस्टम की बेरुखी

पियांशु के पिता धर्मेंद्र मालवीय ने भारी मन से बताया कि मंगलवार दोपहर करीब 12:30 बजे उनके बेटे को तीन टीके लगाए गए थे। दोपहर ढाई बजते-बजते बच्चे के शरीर ने जवाब देना शुरू कर दिया। उसे तेज उल्टियां और दस्त होने लगे। घबराए पिता उसे तुरंत धराड़ हेल्थ सेंटर लेकर भागे, लेकिन वहां के स्टाफ का रवैया पत्थर दिल जैसा था। धर्मेंद्र का आरोप है कि स्टाफ ने बच्चे को हाथ तक नहीं लगाया और सीधे रतलाम रेफर कर दिया। इस चक्कर में कीमती समय बर्बाद हो गया और जब तक परिवार रतलाम के अस्पताल पहुंचा, डॉक्टरों ने पियांशु को मृत घोषित कर दिया।

पारंपरिक वेषभूषा, आभूषण और मांदल की थाप में रचा-बसा भगोरिया उत्सव

अंग और सामाजिक स्नेह का जीवंत महोत्सव है भगोरिया पर्व : सीएम

अनोखा तीर, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि फाल्गुन मास के रंगों, मांदल की थाप और जीवन-प्रेम की उमंग से सराबोर भगोरिया पर्व जनजातीय संस्कृति, सामाजिक स्नेह और परंपरागत जीवन मूल्यों का जीवंत उत्सव है। इसको प्रत्यक्ष रूप से भगोरिया पर्व में शामिल होकर जिया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अलीराजपुर के उदयगढ़ भगोरिया पर्व स्थल पर पारंपरिक लोकधुनों, नृत्य और उल्लासपूर्ण वातावरण ने सम्पूर्ण क्षेत्र को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगोरिया पर्व जनजातीय संस्कृति, प्रेम और सामाजिक समरसता का प्रतीक है। मध्यप्रदेश सरकार

जनजातीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है और ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है। विरासत को विकास की राह पर ले जाने के संकल्प के साथ इस उल्लासमय पर्व को गरिमा और भव्यता के साथ मनाया गया। यह आयोजन जनजातीय संस्कृति की सशक्त पहचान और राज्य सरकार की संवेदनशील सोच को प्रतिबिंबित करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का जनजातीय समाज एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भव्य स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंत्री जनजातीय संस्कृति के प्रतीक तीर कमान भेंट किया। प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया गया। मंत्री श्री द्वारा मंच से सभी को राष्ट्रीय पर्व भगोरिया की शुभकामनाएं दी। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह ने कहा कि आलीराजपुर जिले के उदयगढ़ में आयोजित स्थानीय भगोरिया पर्व में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की सहभागिता से उत्सव का उल्लास और अधिक बढ़ गया। भगोरिया उत्सव में जनजातीय युवक-युवतियां रंग-बिरंगी पारंपरिक वेषभूषा में सजे-धजे दिखाई दिए।

राजपुर में बड़ा बस हादसा

हाईवे से फिसलकर खेत में घुसी यात्री बस, 14 घायल

बड़वानी (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के राजपुर में शुक्रवार को एक बड़ा यात्री बस हादसा सामने आया, जब खंडवा से बड़वानी जा रही एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खेत में जा घुसी। इस हादसे में 14 यात्री घायल हो गए। पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद

हो गई, जिसका वीडियो घटना को स्पष्ट कर रहा है। राजपुर थाना प्रभारी विक्रम सिंह बामनिया ने बताया कि खंडवा-वडोदरा हाईवे पर एक पेट्रोल पंप के पास यह दुर्घटना हुई। बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और सीधे खेत में जा घुसी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बस में तकनीकी खराबी आ गई थी, जिसके चलते चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका।

भयावह था सीन, दौड़कर पहुंचे लोग यात्रियों को निकाला- हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े और पुलिस के साथ मिलकर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस जिस रफ्तार से नीचे उतरी, वह दृश्य बेहद भयावह था। थाना प्रभारी ने भी स्वीकार करते हुए कहा कि गनीमत रही कि बस सड़क और खेत के बीच लगे पेड़ से नहीं टकराई, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

कांग्रेस विधायक ने विधानसभा में किया शीर्षासन

बोले- पटाखा भी फोड़ूं तो केस

अनोखा तीर, भोपाल।

मध्य प्रदेश विधानसभा में शुक्रवार को नजारा कुछ ऐसा था कि हर कोई दंग रह गया। कार्यवाही चल रही थी और इसी बीच श्योपुर के कांग्रेस विधायक बाबू लाल जंडेल अचानक सिर के बल खड़े हो गए। सदन के भीतर विधायक जी का यह शीर्षासन देखकर सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के माथे पर बल पड़ गए। जंडेल का आरोप है कि सरकार और पुलिस मिलकर उन्हें और उनके कार्यकर्ताओं को फर्जी मुकदमों के जाल में फंसा रही है।

एक महीने में 3 केस, अब तक 15 मामले- बाबू जंडेल का कहना है कि पिछले एक महीने में ही उनके खिलाफ तीन नई एफआईआर दर्ज कर दी गई हैं, जिससे उनके ऊपर दर्ज केसों की कुल गिनती 15 तक पहुंच गई है।

मर जाऊंगा, पर डरूंगा नहीं

उग्र अंदाज में विधायक जंडेल ने साफ कह दिया कि वो जेल जाने या गोली खाने से नहीं डरते। गांधी प्रतिमा को प्रणाम करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आज गांधी जी होते, तो ये अन्याय देखकर रो पड़ते। जंडेल ने चेतावनी दी है कि अगर ये फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए, तो वे सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेंगे।

कांग्रेस साथ, सरकार बोली- देखेंगे- बाबू जंडेल के इस अनोखे विरोध को कांग्रेस विधायक महेश परमार का भी साथ मिला। परमार ने कहा कि जब सरकार ने सारे रास्ते बंद कर दिए और विधायक की सुनवाई नहीं हुई, तब जाकर उन्हें ये तरीका अपनाना पड़ा। वहीं, मामले को शांत करने की कोशिश करते हुए कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि विधायक ने अपनी बात रखी है और सरकार पूरे मामले की जांच कराएगी। अगर कुछ गलत पाया गया, तो सख्त एक्शन लिया जाएगा।

भारत में 113 साल तक लापता था यह उल्लू

अब चीतों के घर कूनो जंगल में दिखा, शुभ संकेत है यह

श्योपुर(एजेंसी)। मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में चीतों का बसेरा है। अब चीतों के घर से एक बड़ा शुभ संकेत मिला है। भारत में 113 से लापता उल्लू अब कूनो के जंगल में दिखा है। 1884 में विलुप्त होने के बाद 1997 में इस उल्लू को महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में फिर से देखा गया था, जिससे दुनिया हैरान रह गई थी। अब कूनो नेशनल पार्क में देखा गया है।

- **पहली बार कूनो के जंगल में दिखा यह उल्लू-** श्योपुर जिले में स्थित कूनो जंगल की चर्चा अब चीतों की वजह से होती है। हालांकि उस जंगल में अन्य जंगली जानवर भी रहते हैं। अब कूनो में पहली बार लुप्त हो चुके एथिन ब्लेविटी को पहली बार देखा गया है। इसे यह संकेत मिले हैं कि भारत में फिर से इस प्रजाति के उल्लू का विस्तार हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि कूनो राष्ट्रीय पार्क में फॉरेस्ट ऑउलेट की खोज भारत में जैव विविधता संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है।
- **1884 में हो गया था विलुप्त-** दरअसल, फॉरेस्ट ऑउलेट मध्य भारत का एक स्थानिक पक्षी है। इसे 1872 में पहली बार खोजा गया था

लेकिन 1884 के बाद इसे विलुप्त मान लिया गया था। 113 सालों के लंबे अंतराल के बाद 1997 में इसे महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में फिर से देखा गया था। यह पक्षी विज्ञान के क्षेत्र में हैरान करने वाली घटना थी।

- **इन जगहों पर पाया जाता है यह उल्लू-** अभी यह उल्लू मध्य भारत के खंडित क्षेत्रों में पाया जाता है। इनमें मध्य प्रदेश के खकनार और पीपलोद है, महाराष्ट्र के तोरणमाल और मेलघाट और गुजरात के डांग और पूर्णा वन्य जीव अभ्यारण में है।
- **कूनो में दिखना आश्चर्य-** वहीं, मध्य प्रदेश में फॉरेस्ट ऑउलेट पहले केवल पूर्वी खंडवा, बुरहानपुर और बैतूल जिलों में ही पाया जाता था। इस दुर्लभ पक्षी को सबसे पहले कूनो में स्थानीय पर्यटन क्षेत्र से जुड़ लाभ यादव ने पारोंद बीट में भ्रमण के दौरान देखा, जिससे प्रजाति के अत्याधिक सीमित वितरण और संरक्षण स्थिति के कारण वन विभाग का ध्यान तुरंत खींचा। पहचान के बाद यह कूनो नेशनल पार्क से प्रजाति का पहला प्रमाणिक रिकॉर्ड बन गया।
- **सुबह में रहता है सबसे अधिक एक्टिव-** वहीं, अधिकांश उल्लुओं के व्यवहार के विपरीत फॉरेस्ट ऑउलेट मुख्य रूप से दिन में सक्रिय रहने वाला पक्षी है। यह सुबह छह से 10 बजे तक सक्रिय रहता है। कड़ी धूप में भी ऊंचे पेड़ों की टहनियों पर बैठा देखा जा सकता है।

मामेरा रस्म के दौरान दूल्हे की मां को हार्ट अटैक

भाई की याद में भतीजे को गले लगा कर रोईं और थम गईं सांसें, बीपी की दवा लेना भूल गई थीं

गायत्री पाटीदार, मृतका

झाबुआ (एजेंसी)। झाबुआ के सारंगी में मामेरा रस्म के दौरान दूल्हे की मां को दिल का दौरा पड़ गया। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। मृतका की पहचान गायत्री पाटीदार के रूप में हुई है। दरअसल, महिला के बेटे गोलू की शादी बुधवार 25 फरवरी को थी। बारात बरवेट गांव से दुल्हन लेकर लौट आई थी। गुरुवार को रिसेप्शन (स्वागत समारोह) रखा गया था। सुबह के भोज के बाद दोपहर में मायरा कार्यक्रम था। इसी दौरान गायत्री के मायके वाले मामेरा की रस्म के लिए पहुंचे। परंपरा के मुताबिक, गायत्री अपने मायके वालों का स्वागत करने के लिए आगे बढ़ीं।

गायत्री का एक ही भाई था। कई साल पहले गंभीर बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। मामेरा की रस्म के लिए जब भतीजा पहुंचा था, तो उसे देखकर वह भावुक हो गईं।

- **मामेरा की चुनरी अर्थी पर ओढ़ाई-** ब्लडप्रेशर में अचानक गिरावट के कारण उन्हें दिल का दौरा पड़ा। विवाह के खुशी के माहौल में अचानक चीख-पुकार मच गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर गायत्री को परिवार वाले अस्पताल लेकर पहुंचे। हालांकि, जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मायके पक्ष की ओर से लाए गए मामेरा की चुनरी उनकी अर्थी पर ओढ़ाने पड़े।
- **किसी ने ऐसी उम्मीद नहीं की थी-** महिला के मायके पक्ष के साथ ग्रामीण रामचंद्र पाटीदार ने बताया कि उत्सव के दौरान ऐसे क्षण की कल्पना किसी ने नहीं की थी। बहन के अचेत होते ही परिजन उन्हें लेकर अस्पताल की ओर दौड़े।

रास्ते में ही खराब हुई थी हालत

महिला को इलाज के लिए पेटलावद अस्पताल ले जाने वाले मौसी के लड़के रवि पाटीदार ने बताया कि तत्काल अपनी कार से लेकर पहुंचे, लेकिन स्थिति रास्ते में ही बिगड़ती गई। हॉस्पिटल में निधन की पुष्टि हुई।

हार्ट-अटैक से आंखों के सामने पिता की मौत...

सीपीआर देता रहा बेटा; सीने में उठा था तेज दर्द, एम्बुलेंस नहीं मिली तो लोडर वाहन से लाया

छतरपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में एम्बुलेंस न मिलने के कारण एक बुजुर्ग की जान चली गई। हार्ट अटैक की आशंका में परिजन लोडर वाहन से अस्पताल ले गए। बेटा चलती गाड़ी में रास्ते भर पिता

को सीपीआर देता रहा, लेकिन अस्पताल पहुंचने तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टर्स ने बुजुर्ग को मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम तालगांव निवासी 65 वर्षीय जगदीश विश्वकर्मा के रूप में हुई है। वे अपने बेटे संतोष विश्वकर्मा के साथ शहर आए थे। इसी दौरान ग्राम बरकोंहा के पास अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। सीने में तेज दर्द और सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

- **अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी-** डॉक्टर्स ने बताया कि जब मरीज को अस्पताल लाया गया, तब उसकी हालत बहुत गंभीर थी। जांच करने पर पता चला कि उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी। वहीं सिविल सर्जन ने भी कहा कि मरीज अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ चुके थे। शुरुआती तौर पर मौत की वजह हार्ट अटैक मानी जा रही है। हालांकि सही कारण पोस्टमॉर्टम के बाद ही पता चल सकता था, लेकिन परिजन पोस्टमॉर्टम कराए बिना ही शव को घर ले गए।

ट्रैफिक जाम में फंसी लोडर गाड़ी, देर से पहुंची अस्पताल

परिजन के अनुसार, मौके पर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं हो सकी। मजबूरी में उन्हें एक लोडर वाहन से छतरपुर जिला अस्पताल ले जाया गया। रास्ते में हालत बिगड़ती देख बेटे संतोष ने चलती गाड़ी में ही सीपीआर देने की कोशिश की।

नृत्य के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पहुंचा कुत्ता

पद्मश्री कलाकारों ने जताई नाराजगी

खजुराहो (एजेंसी)। भारतीय संस्कृति और परंपराओं का विश्व प्रसिद्ध खजुराहो 52वें नृत्य महोत्सव का गुरुवार शाम समापन हो गया था। यह महोत्सव संस्कृति विभाग एवं उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी की ओर से आयोजित किया गया।

इस सात दिवसीय उत्सव की अंतिम शाम पद्मश्री और संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित नृत्यांगनाओं की कला से सजी रही। हालांकि, महोत्सव के प्रबंधन को लेकर दर्शकों में नाराजगी भी देखी गई।

नृत्य के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आया कुत्ता

नृत्यांगना डॉक्टर खुशबू पंचाल के नृत्य के दौरान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर कुत्ता पहुंच गया और मंच को पार करते हुए नृत्यांगना के सामने से निकल गया जिसपर खुशबू पंचाल ने भी नाराजगी व्यक्त की है, और कैमरे में कैद वीडियो से खजुराहो की छवि भी खराब हुई हैं।

वीआईपी कुर्सियां खाली रहीं, नाराज हुए विदेशी पर्यटक

स्थानीय और बाहर से आए पर्यटकों ने आरोप लगाया कि वीआईपी के नाम पर कुर्सियां ब्लॉक रखी गईं, जबकि वे घंटों देरी से पहुंचे। इसके अलावा, शुभारंभ के दिन संस्कृति मंत्री के लंबे भाषण और देरी के कारण विदेशी सैलानियों ने हूटिंग कर अपना विरोध दर्ज कराया था।

पर्यटक बोले-कार्यक्रम शानदार, लेकिन पब्लिसिटी में कमी

पर्यटक अमित मेंदीरत्ता ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, यहां की वाइब्स बहुत अच्छी हैं और कार्यक्रम 'नेक्स्ट लेवल' के हैं, लेकिन पब्लिसिटी शून्य है। सड़कों पर कोई पोस्टर नहीं है, जिससे सीटें खाली रहती हैं। जब कोई कलाकार इतनी मेहनत करके स्टेज पर परफॉर्म करता है और उसे सामने से वैसी दाद या तालियां नहीं मिलतीं, तो उसका मनोबल गिरता है। मेरी गुजारिश है कि इसकी बेहतर मार्केटिंग और पब्लिसिटी की जाए।

धौलपुरकला में 12 मार्च से गणगौर उत्सव की धूम

अनोखा तीर, धौलपुरकला।

क्षेत्र में 12 मार्च से 21 मार्च तक गणगौर उत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर रनुबाई को पावनी बुलाया जाएगा तथा उनका पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धनियर राजा से विवाह संपन्न कराया जाएगा। पूरे गांव में नौ दिनों तक गणगौर उत्सव की धूम रहेगी। उत्सव के दौरान प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महिलाएं दिन में पाती खेलेंगी तथा रात्रि में भजन मंडलियां भजनों की प्रस्तुतियां देंगी। गांव में गणगौर उत्सव की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। सुंदर पंडाल सजाया जा रहा है और आकर्षक लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। जानकारी के अनुसार गांव में श्रीमती रेखा सत्यनारायण गौर, श्रीमती माधुरी संजय गौर, श्रीमती कल्पना सुशील गौर एवं बंगरया परिवार में नौ दिनों तक विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे। इस अवसर पर ज्वारे बोए जाएंगे, जिनकी प्रतिदिन पूजा-अर्चना की जाएगी।

स्वांग व झालरों की रहेगी धूम

गणगौर महोत्सव के दौरान प्रतिदिन रात्रि में धार्मिक आयोजन होंगे। भजन मंडलियां स्वांग रचेंगी तथा विभिन्न वेश धारण कर पुरुष माता को झालरें अर्पित करेंगे। जानकारी के अनुसार एक दिन के लिए रथ भी निकाले जाएंगे, जो श्रीमती गायत्री जगदीश गौर निवासी धौलपुर द्वारा आयोजित किए जाएंगे।

महिलाएं खेलती हैं पाती – उत्सव के दौरान महिलाएं लगातार नौ दिन तक व्रत रखती हैं। इस अवधि में वे आम के पेड़ के नीचे पाती खेलती हैं और भजनों के माध्यम से झालरें अर्पित करती हैं। पूरे क्षेत्र में इस पारंपरिक उत्सव को लेकर विशेष उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

रहटगांव में दिव्यांगजनों की स्क्रीनिंग की

अनोखा तीर, हरदा। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत संचालित सभी पेंशन योजनाओं के अन्तर्गत पात्र हितग्राहियों के पेंशन फार्म तैयार कर पेंशन स्वीकृत करने एवं दिव्यांग बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र तैयार करने हेतु जिले में स्क्रीनिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग कमलेश सिंह ने बताया कि शुक्रवार को दिव्यांगजनों के चिन्हांकन एवं दिव्यांग प्रमाण-पत्र तैयार कराने हेतु ग्राम पंचायत रहटगांव में स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अधिकारी विशेषज्ञों द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों से 176 एवं, शिविर स्थल पर 156 एवं विद्यालय में 455 लोगों की स्क्रीनिंग संपन्न की गई। इस दौरान दिव्यांगजनों को पात्रता अनुसार पेंशन एवं अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ प्रदाय किया गया।

इटारसी स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा ड्रोन कैमरों से सघन निगरानी

अनोखा तीर, भोपाल। मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त डॉ. अभिषेक के नेतृत्व में रेल परिसर में अनाधिकृत गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आरपीएफ द्वारा ड्रोन कैमरों से सघन निगरानी की जा रही है। इटारसी स्टेशन के समीप ड्रोन को उड़ते देख यात्रियों एवं यार्ड तथा गुड्स शेड में कार्यरत कर्मचारियों में

उत्सुकता का माहौल रहा। स्टेशन आउटर से ट्रेनों में चढ़ने वाले तथा रेल पटरियों से आवागमन करने वाले कुछ व्यक्तियों में ड्रोन निगरानी के कारण पकड़े जाने का भय भी देखा गया। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया के अनुसार रेल सुरक्षा बल भोपाल मंडल द्वारा आधुनिक संसाधनों का उपयोग कर यात्री सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा रहा है। ड्रोन कैमरों के माध्यम से स्टेशन परिसर, आउटर क्षेत्र, यार्ड एवं संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। साथ ही आरपीएफ जवानों द्वारा बॉडी-वॉर्न कैमरों का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे आपराधिक गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जा सके और आवश्यकतानुसार न्यायालयीन कार्यवाही हेतु साक्ष्य एकत्र किए जा सकें। रेल सुरक्षा बल की इस आधुनिक कार्यप्रणाली से यात्रियों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है तथा असामाजिक तत्वों में भय का वातावरण बना है। भोपाल मंडल द्वारा यात्रियों की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित रेल संचालन हेतु निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

एनएसएस शिविर का गौरवमयी समापन

अनोखा तीर, सिराली। शासकीय महाविद्यालय सिराली एनएसएस के सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का ग्राम खुदिया में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हर्षमयी समापन हुआ। इस शिविर में स्वयंसेवकों को देश प्रेम, सेवा भाव और आपसी सौहार्द का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्था प्राचार्य डॉ.धीरा शाह ने अपने संबोधन में युग पुरुष स्वामी विवेकानंद के सूत्र वाक्य जागो, उठो और तब तक चलते रहो जब तक मंजिल न मिल जाए के साथ ही महात्मा गांधी, मदर टेरेसा और तमाम गुमनाम समाजसेवियों की

भांति सेवा की भावना को अपने जीवन में उतरने स्वयंसेवकों से आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से युवाओं में सामाजिक समरसता, समाजिक न्याय, अखंड भारत की कल्पना की सीख मिलती है। कार्यक्रम की विशेष अतिथि श्रीमती शक्ति शुक्ला उप सरपंच ग्राम खुदिया ने कहा कि शिविर में की गई गतिविधियों ने हमारे ग्रामीणजनों को भाव विभोर कर दिया और इन सात दिवस के शिविर में अमिट छाप छोड़कर स्वयंसेवक जा रहे हैं। ग्रामीणजन आपकी सेवा भाव और 7 दिन तक चलाए गए ग्रामीण जागरूकता अभियान से अभिभूत हैं। शिविर के सप्तम दिवस बौद्धिक सत्र के मुख्य वक्ता रहे बरिष्ठ शिक्षक गोविंदसिंह पवार ने शिक्षा और सेवा के संयुक्त प्रभाव से भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रानी पटेल ने स्वयंसेवकों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर संपूर्ण शिविर के क्रियाकलापों के आधार पर प्रथम पुरस्कार स्वयंसेवक वर्षा, द्वितीय राजश्री और तृतीय ज्योति काजले को उनके योगदान के लिए अतिथियों के हाथों प्रदान कराया। मंच संचालन स्वयंसेवक नंदनी कुशवाहा ने किया। सप्तम दिवस के अध्यक्ष राजनंदिनी, उपाध्यक्ष छाया, महाविद्यालय स्टाफ के डॉ.विश्वनाथ कुबड़े, डॉ.जगदीश कडोले, महेश जाटव, ओम प्रकाश पटेल, डॉ.श्याम पंवार, योगेश उइके सहित स्वयंसेवक राखी, सपना, रेखा, आँचल, पायल अटले और चाँदनी आदि उपस्थित रहे।

कृषि वैज्ञानिकों ने मृदा स्वास्थ्य में सुधार हेतु किसानों को दी सलाह

अनोखा तीर, हरदा। कृषि विज्ञान केंद्र हरदा के वैज्ञानिक डॉ. आर.सी. जाटव ने बताया कि हरदा जिले की मृदा की वर्तमान स्थिति के संबंध में जारी परामर्श के अनुसार विभिन्न मृदा परीक्षण रिपोर्टों से यह स्पष्ट हुआ है कि जिले की मृदाओं में नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश, जिंक, सल्फर एवं जैविक कार्बन की कमी पाई गई है। जैविक कार्बन की कमी के कारण मृदा में लाभदायक सूक्ष्मजीवों की संख्या लगातार घट रही है तथा मृदा कठोर होती जा रही है। इसके परिणामस्वरूप वर्षा जल का अवशोषण एवं रिसाव कम हो रहा है, जिससे भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इन परिस्थितियों के कारण मृदा स्वास्थ्य निरंतर बिगड़ता जा रहा है। यह स्थिति मुख्यत: फसल अवशेषों को जलाने, असंतुलित उर्वरकों के उपयोग, जैव उर्वरक का प्रयोग न करने, जैविक खादों का कम प्रयोग करने के कारण उत्पन्न हुई है।

दिल्ली शराब नीति केस में कोर्ट ने

केजरीवाल-सिसोदिया समेत 23 आरोपियों को बरी किया

कोर्ट बोला- चार्जशीट में खामियां, फैसले के बाद केजरीवाल रोते हुए बोले- जिंदगीभर ईमानदारी कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब घोटाला केस में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को सीबीआई केस में बरी कर दिया है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने शुक्रवार को कहा- दोनों के खिलाफ बिना सबूत के आरोप साबित नहीं होता है। इस मामले में सीबीआई ने कुल 23 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने सभी के खिलाफ आरोप तय करने से इनकार करते हुए सभी को बरी कर दिया।

हमारे खिलाफ साजिश...

मोदी, शाह, राहुल गांधी का नाम लेकर अरविंद केजरीवाल ने जमकर साधा निशाना- कोर्ट से बरी होने के बाद अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह ने हमारे खिलाफ साजिश रची। हम कट्टर ईमानदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को देश से माफी मांगनी चाहिए। मैंने अपने जीवन में केवल ईमानदारी और प्रतिष्ठा अर्जित की और मोदी- शाह इसे धूमिल करना चाहते थे। उन्होंने नरेंद्र मोदी को चुनौती देते हुए कहा कि हिम्मत है तो दिल्ली में दोबारा चुनाव कराएं। आज चुनाव हुए दिल्ली में 10 से ज्यादा सीट नहीं मिलेगी।

बरी होने पर अन्ना हजारे ने कहा मुझे खुशी हुई- दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया समेत 23 लोगों बरी पर अन्ना हजारे ने भी खुशी जताई है। अन्ना हजारे ने कहा, हमारा देश अपनी न्यायिक और सुरक्षा प्रणालियों की ताकत पर चलता है

टीएमसी ने केंद्रीय एजेंसियों के 'दुरुपयोग' के लिए बीजेपी को आड़े हाथों लिया- तृणमूल कांग्रेस ने शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत द्वारा अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को शराब नीति मामले में बरी करने के फैसले का स्वागत किया और आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया।

- **स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने फैसला सुनाया-** स्पेशल जज जितेंद्र सिंह ने इस केस का फैसला सुनाया। वे दिल्ली कोर्ट के एक अनुभवी जज हैं। वे दिल्ली ज्यूडिशियल सर्विस के एक सीनियर न्यायिक अधिकारी हैं। अभी वे नई दिल्ली के राउज एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट कॉम्प्लेक्स में स्पेशल जज (पीसी एक्ट) सीबीआई-01 के पद पर तैनात हैं।
- **दिल्ली शराब नीति केस में यह 23 लोग बरी हुए-** अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, के. कविता, दुर्गेश पाठक, कुलदीप सिंह, नरेंद्र सिंह, विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, अरुण पिल्लई, मूथा गौतम, समीर महेंद्रू, अमनदीप सिंह ढल, अर्जुन पांडे, बुचिबाबू गोरंतला, राजेश जोशी, दामोदर प्रसाद शर्मा, प्रिंस कुमार, अरविंद कुमार सिंह, चनप्रीत सिंह, अमित अरोरा, विनोद चौहान, आशीष चंद माथुर, शरत रेड्डी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पहली बार कॉम्बैट हेलिकॉप्टर की उड़ान भरी

जैसलमेर (एजेंसी)। राजस्थान के पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज (जैसलमेर) में भारतीय वायुसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास 'वायु शक्ति-2026' शुरू हुआ। राष्ट्रपति ने जैसलमेर की सीमावर्ती एयरस्पेस में पहली बार किसी लड़ाकू हेलिकॉप्टर को को-पायलट

किया। राष्ट्रपति पोखरण रेंज पहुंची, जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में 'वायु शक्ति' युद्धाभ्यास की शुरुआत हुई। मुर्मू 26 फरवरी को 2 दिवसीय दौरे पर जैसलमेर पहुंची हैं।

वायु शक्ति-2026 में प्रचंड के अलावा राफेल, सुखोई-30 एमकेआई और अपाचे जैसे विमानों ने भी अपना शक्ति प्रदर्शन किया।

राफेल: एक डबल इंजन वाला मल्टीरोल फाइटर एयर क्राफ्ट है। ये हवा से हवा, हवा से जमीनी हमले कर सकता है।

सुखोई: सुखोई एसयू-30 एमकेआई दो इंजन वाला लड़ाकू विमान है जिसे भारतीय वायु सेना के लिए रूस के सुखोई डिजाइन ब्यूरो और भारत के हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने विकसित किया है।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज का फरमान

रमजान में साथ दिखे छात्र-छात्रा तो करा दिया जाएगा निकाह

मधुबनी (एजेंसी)। बिहार के मधुबनी मेडिकल कॉलेज का एक अजीबोगरीब और विवादित सर्कुलर इन दिनों चर्चा का केंद्र बना हुआ है। कॉलेज प्रशासन ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर छात्र-छात्राओं के साथ खड़े होने पर न केवल पाबंदी लगाई है, बल्कि उल्लंघन करने पर सीधे निकाह करा देने की चेतावनी दी है। इस तुगलकी फरमान के सामने आने के बाद संस्थान के छात्र-छात्राओं में हड़कंप मचा हुआ है।

मधुबनी मेडिकल कॉलेज के सर्कुलर में दी गई निकाह की चेतावनी- मिली जानकारी के अनुसार, मधुबनी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के हस्ताक्षर और मुहर के साथ जारी इस पत्र में रमजान के महीने का हवाला दिया गया है। सर्कुलर में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि रमजान के पाक महीने के दौरान कोई भी लड़का और लड़की (कपल) एक साथ खड़े नहीं होंगे।

शंकराचार्य की अर्जी पर फैसला सुरक्षित गिरफ्तारी पर रोक, पुलिस को पूछताछ की छूट

इलाहाबाद (एजेंसी)। प्रयागराज में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज कथित यौन उत्पीड़न मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से फिलहाल बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने अपने चेंबर में केस से जुड़े वकीलों को बताया कि अगली सुनवाई तक स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मुकुंदानंद, दोनों की गिरफ्तारी पर रोक रहेगी।

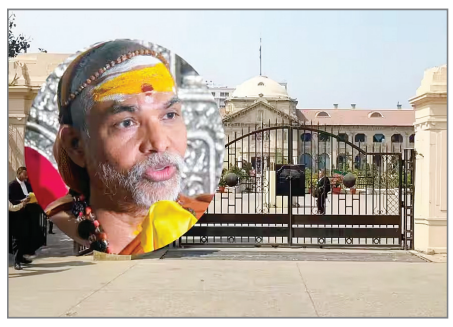

अदालत का विस्तृत आदेश रात तक हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हो सकता है। इसी आदेश में यह भी उल्लेख होगा कि मार्च के तीसरे सप्ताह में अगली सुनवाई किस तारीख को होगी। तब तक दोनों आरोपियों के खिलाफ कोई गिरफ्तारी नहीं की जाएगी, हालांकि पुलिस चाहे तो पूछताछ कर सकती है और शंकराचार्य को जांच में पूरा सहयोग करना होगा। जस्टिस जे.के. सिन्हा की बेंच ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रखा। कोर्ट रूम में अधिवक्ताओं की भारी भीड़ और गहमागहमी के कारण सुनवाई चेंबर में की गई, जहां केवल केस से जुड़े वकील मौजूद रहे। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने बचाव पक्ष से यह भी पूछा कि पहले सेशन कोर्ट का रुख क्यों नहीं किया गया और सीधे हाईकोर्ट आने का औचित्य क्या है। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने मुख्य रूप से अग्रिम जमानत अर्जी की पोषणीयता पर आपत्ति जताई।

भोपाल मंडल में 28 रेल कर्मचारियों का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

अनोखा तीर, भोपाल। पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में माह फरवरी 2026 के अंतर्गत सामान्य सेवानिवृत्ति समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंडल में कार्यरत कुल 28 कर्मचारियों को भावभीनी विदाई दी गई। समारोह के दौरान मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को पेंशन भुगतान आदेश वितरित किए गए। उन्होंने अपने संबोधन में सेवानिवृत्त कर्मचारियों के दीर्घकालीन समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक एवं विभिन्न यूनियनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समारोह में 28 सामान्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कुल 12 करोड़ 88 लाख 93 हजार सत्तर रुपये का सेटलमेंट भुगतान किया गया। इसके अतिरिक्त भारतीय स्टेट बैंक एवं पंजाब नेशनल बैंक के प्रतिनिधियों द्वारा पेंशन योजनाओं एवं बैंकिंग सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। भोपाल मंडल द्वारा आयोजित यह समारोह कर्मचारियों के सम्मान एवं उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सार्थक प्रयास रहा।

खिरकिया समता भवन में फाल्गुनी चातुर्मासिक पर्व आराधना

अनोखा तीर, खिरकिया। जैन श्री संघ के तत्वाधान में फाल्गुनी चातुर्मासिक पर्व आराधना (होली चौमासी) 2 से 4 मार्च तक की जाएगी। चातुर्मासिक पर्व आचार्य प्रवर रामलालजी म.सा. एवं उपाध्याय प्रवर राजेश मुनिजी म.सा.की विशेष कृपा से पूरे देश में अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गीय जैन संघ के अंतर्गत समता प्रचार संघ के माध्यम से स्वाध्यायी बंधु जहां चारित्र आत्माओं के कुशल समागम एवं सानिध्य का लाभ नहीं मिल पाएगा उन स्थानों पर स्वाध्यायी बंधुओ को पहुंचाकर धर्म आराधना एवं त्याग तपस्या स्वयं भी करते है और धर्म में रुचि रखने वाले श्रद्धाशील श्रावक - श्राविकों के साथ गुरुभक्तो को भी प्रेरणा करते हुए करवाते है।

इस फाल्गुनी चातुर्मासिक पर्व पर तीन दिवसीय आराधना साधना के साथ अपनी अनूठी, अनमोल, उत्कृष्ट एवं सेवाए प्रदान करने रतलाम साधुमार्गी साधुमार्गी संघ के पंकज कटारिया, सुमित मूणत एवं अक्षय बाफना आदि1मार्च आयेंगे। इन्हीं के सानिध्य में 2-3 तारीख को प्रातः 5.45 बजे से राई प्रतिक्रमण, 7 बजे से प्रार्थना, जिनवाणी रूपी प्रवचन 9 बजे से 10.15 बजे तक, दोपहर 2 बजे से ज्ञान चर्चा, धार्मिक प्रतियोगिता, आलोयणा, शाम 6.30 बजे सूर्यास्त के साथ देवसी प्रतिक्रमण दिन भर में की गई गलतियों का प्राश्चित, रात्रि 7.30 बजे ज्ञान चर्चा-गुरुभक्ति, जिज्ञासा और समाधान ततपश्चात रात्रि संवर। तारीख 4 मार्च को राई परिक्रमण, प्रार्थना एवं प्रवचन पश्चात फाल्गुनी पर्वाराधना की संपूर्ति। इस पावन अवसर पर धर्म-आराधना के पावन प्रसंग से कोई भी वंचित न रहे सभी लाभान्वित होकर कर्म निर्जरा कर जीवन को हलूकर्मी/उर्द्धगामी बनाए।

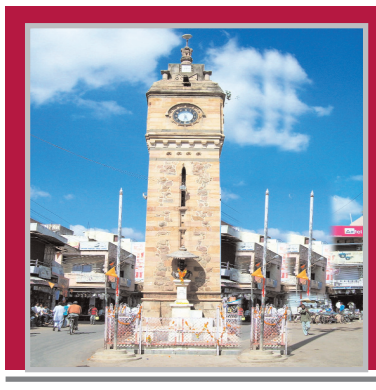

अनोखा तीर 3

हरदा नगर

हरदा, शनिवार 28 फरवरी 2026

मंडी में छः दिन बंद रहेगा नीलामी कार्य

अनोखा तीर, हरदा। सचिव कृषि उपज मण्डी हरदा ने सभी किसान भाईयों को सूचित किया है कि 28 फरवरी शनिवार से 4 मार्च तक मण्डी प्रांगण हरदा में नीलामी कार्य बंद रहेगा। उन्होने बताया कि 28 फरवरी को चौथा शनिवारी, 1 मार्च को रविवार, 2 मार्च सोमवार को होलिका दहन, 3 मार्च मंगलवार धुलेण्डी को ग्रहण होने के कारण धुलेण्डी 4 मार्च को मनाई जाएगी। इस हेतु 28 से 4 मार्च तक मण्डी प्रांगण में नीलामी कार्य बंद रहेगा। उन्होने किसान भाईयों से अनुरोध किया है कि वे इस अवधि में अपनी कृषि उपज विक्रय हेतु नहीं लाएं।

सार-समाचार

शिवानुजा प्ले स्कूल में 3 दिवसीय किड्स टैलेंट फेस्टिवल का शुभारंभ

अनोखा तीर, हरदा। शहर के शिवानुजा प्ले स्कूल में 3 दिवसीय किड्स टैलेंट फेस्टिवल का शुभारंभ गुरुवार को उत्साह और उमंग के साथ हुआ। आयोजन के प्रथम दिन मुख्य अतिथि के रूप में पार्षद एवं समाजसेवी सुप्रिया पटेल तथा प्रमिला ठाकुर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। स्कूल की संचालक विभूति गौर ने बताया कि तीन दिवसीय इस आयोजन में बच्चों द्वारा विभिन्न आकर्षक और रचनात्मक

प्रस्तुतियां दी जा रही हैं, जिनसे उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास का विकास होता है। अतिथियों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर संस्था की वाइस प्रिंसिपल समीक्षा त्यागी, सुधा ठाडा, ऋतु राजपूत, भावना वर्मा, माधुरी शर्मा उपस्थित रहीं। पहले दिन हुई प्रतियोगिताओं के विजेताओं में प्री नर्सरी के कप बैलेंसिंग में प्रथम आयांश तिवारी, द्वितीय रिशान पवार, तृतीय राशिका ठाकुर रहीं। इसी प्रकार जंपिंग रेस में प्रथम शिवाय जाट, द्वितीय हिमांश शर्मा, तृतीय आर्यमन जाट रहे। राइम्स में प्रथम शिवाय चौरे, द्वितीय योगित गेहलोत, तृतीय नीर बिश्नोई रहे। प्री प्रायमरी वर्ग में कप बैलेंसिंग में प्रथम रिदित यदुवंशी, द्वितीय लक्ष्य बांके, तृतीय प्रांशी जाट रहीं। जंपिंग रेस में प्रथम श्रेयान जैसानी, द्वितीय रेयांश ओनकर, तृतीय वत्सल मालवीय रहे। कार्यक्रम में बच्चों का उत्साह देखने योग्य रहा।

हैप्पी हरदा यूथ क्लब की पहल, चलित पुस्तकालय का किया शुभारंभ

अनोखा तीर, हरदा। हैप्पी हरदा सोशल एंड बिज़नेस यूथ क्लब हरदा के लोगों के लिए एक साझा मंच है, जहां जिले में आयोजित होने वाले कृषि, उद्योग एवं सामाजिक कार्यक्रमों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है तथा समय-समय पर सहभागिता का अवसर भी प्रदान किया जाता है। समूह द्वारा सामाजिक एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से जिले में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एक मार्च को हैप्पी हरदा यूथ क्लब के तत्वावधान में एक अभिनव

पहल के रूप में प्रात: 7.30 से 8.30 बजे तक नेहरू पार्क में प्रकृति के बीच ओपन लाइब्रेरी का आयोजन किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों को डिजिटल दुनिया से दूर कर प्रकृति के सान्निध्य में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम की संयोजक अंजलि मुकाती ने बताया कि प्रतिभागी अपनी पसंदीदा पुस्तक के साथ एक घंटे तक सामूहिक पठन करेंगे। यह गतिविधि आगे चलकर जिले के अन्य पार्कों और सार्वजनिक स्थलों पर भी आयोजित की जाएगी। पुस्तक क्लब की संरक्षक सुश्री शोभा वाजपेयी ने पाठकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गंभीर रहें अधिकारी

अनोखा तीर, हरदा। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को जिले के राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण गुणवत्ता

के साथ समय सीमा में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में कलेक्टर ने नामांतरण, बंटावारा, सीमांकन, अभिलेख दुरूस्ती, धारणाधिकार, सायबर तहसील में दर्ज प्रकरणों की समीक्षा की। साथ ही वन व्यवस्थापन एवं राजस्व वसूली की स्थिति की समीक्षा भी की।

शिक्षण संवाद कार्यक्रम में उच्च शिक्षा सुधारों पर हुआ मंथन

अनोखा तीर, हरदा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय हरदा के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. संगीता बिले के मार्गदर्शन में शिक्षण संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री कौशल प्रताप सिंह ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने उच्च शिक्षा के नियामकीय ढांचे में सुधारों से संबंधित विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक 2025 के विभिन्न प्रावधानों पर विस्तार से चर्चा की।

साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में मातृभाषा में शिक्षा के महत्व पर भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के दौरान भारतीय भाषाओं में विभिन्न विषयों की पाठ्यसामग्री की उपलब्धता बढ़ाने के लिए शिक्षाविदों द्वारा अध्ययन एवं शोध की आवश्यकता पर सार्थक संवाद हुआ। इस अवसर पर हरदा जिले एवं नगर के शिक्षाविद शैलेष साबू, डॉ. पारस बैले, दीप्ति चौहान, कपिल दुबे, सत्येंद्र सिंह परिहार तथा महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. राकेश सिंह परस्ते, डॉ. देवेंद्र कुमार रोड़गे, यशवंत अलावा, रवि व्यास, मनीष परसाई, रीना मालवीय, अजय बिलारे, आयुषी सिसोदिया, मनीषा चौहान, डॉ. अशोक पंवार, डॉ. प्रियंका राय, डॉ. शिवानी बर्मन, राहुल सराठे और सुमित शर्मा सहित स्टाफ उपस्थित रहा।

संभागायुक्त ने जिला पंचायत का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

अनोखा तीर, हरदा। संभागायुक्त नर्मदापुरम केजी तिवारी ने शुक्रवार को जिला पंचायत हरदा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालयीन अभिलेखों, विभिन्न शाखाओं की कार्यप्रणाली और योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। कमिश्नर श्री तिवारी ने जिला पंचायत की विभिन्न शाखाओं का भ्रमण कर स्थापना, लेखा, और विकास शाखा के रजिस्टरों एवं फाइलों की जांच की। उन्होने निरीक्षण के दौरान मनरेगा शाखा में डाटा एन्ट्री ऑपरेटर राजेन्द्र प्रहलाद से ई-ऑफिस संचालन की जानकारी ली। इस दौरान एक फाइल मेन्यूअली भेजी गई, जिस पर संभागायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होने निर्देशित किया कि सारी फाइलें ई-ऑफिस के माध्यम से ही भेजी जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ई-ऑफिस प्रणाली का प्रभावी उपयोग किया जाए। संभागायुक्त श्री तिवारी ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि प्रथम किश्त का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त ही द्वितीय किश्त की राशि के भुगतान किया जाए। उन्होने स्वच्छता मिशन के तहत स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होने ग्राम स्वराज संस्थान के कर्मचारियों का जिला पंचायत के कार्यों में सहयोग लेने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सेवा पुस्तिकाओं, कैशबुक और भंडार पंजी के उचित रखरखाव पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने लंबित प्रकरणों के समय-सीमा में निराकरण के कड़े निर्देश दिए। उन्होने ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रबन्धक रामनिवास कालेश्वर को निर्देशित किया कि बैंक शाखा प्रबन्धकों से चर्चा कर स्वीकृत प्रकरणों में राशि वितरण का कार्य पूर्ण कराएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर सिद्धार्थ जैन, संयुक्त आयुक्त विकास नवल मीणा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजली जोसेफ जोनाथन सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

विकसित भारत 2047 की दिशा में लोकतांत्रिक जागरुकता का आयोजन

-जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट दो सत्रों में गरिमामय रूप से संपन्न

अनोखा तीर, हरदा।

विकसित भारत अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को भाऊ साहेब भुस्कुटे शासकीय महाविद्यालय, टिमरनी में जिला स्तरीय यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'आपातकाल के 50 वर्ष लोकतंत्र के लिए सबक' निर्धारित किया गया।

इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय लोकतंत्र के इतिहास, संवैधानिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना तथा उनमें लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की व्यावहारिक समझ विकसित करना रहा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना, माय भारत तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

प्रथम सत्र : उद्घाटन एवं प्रतियोगिता सत्र – कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक सरस्वती वंदना से हुआ। सर्वप्रथम स्वागत भाषण डॉ. अरुण सिकरवार द्वारा प्रस्तुत किया गया। अतिथियों का परिचय सुश्री मीनाक्षी यादव द्वारा दिया गया। प्रथम सत्र में प्रशासनिक अधिकारी अशोक श्रोती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के युवा अधिकारी राजकुमार वर्मा तथा माय भारत की प्रतिनिधि श्रीमती मोनिका चौधरी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जेके जैन द्वारा की गई। मुख्य अतिथि अशोक श्रोती ने विकसित भारत-2047 के संकल्प को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रतियोगिता सत्र में प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु तीन मिनट का समय प्रदान किया गया। इस समय-प्रबंधन प्रणाली का सफल संचालन डॉ. दुर्गेश नंदिनी अग्रवाल एवं डॉ. ज्योति काशीव द्वारा किया गया। प्रतिभागियों ने सत्ता पक्ष एवं विपक्ष की भूमिका निभाते हुए आपातकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उसके सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव तथा लोकतंत्र के लिए मिलने वाली सीख पर गंभीर एवं तथ्यपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। जिला स्तर पर चयनित विजेता प्रतिभागी अब मध्य प्रदेश विधानसभा में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे तथा राज्य स्तर पर विजयी होने पर संसद भवन, नई दिल्ली में प्रतिनिधित्व का अवसर प्राप्त करेंगे। विजेता प्रतिभागियों को प्रशस्ति-पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। सभी अतिथियों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सहयोग, व्यवस्थाएँ एवं संचालन – संपूर्ण कार्यक्रम का यूट्यूब लिंक के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। संपूर्ण महाविद्यालय स्टाफ की सक्रिय उपस्थिति एवं महत्वपूर्ण सहयोग रहा। विभिन्न समितियों के माध्यम से कार्यक्रम का सफल संचालन सुनिश्चित किया गया।

कोटवार संघ ने कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

वेतन, फार्मर आईडी और सेवानिवृत्ति लाभ सहित कई मांगें रखी

अनोखा तीर, हरदा। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मध्यप्रदेश कोटवार संघ ने शुक्रवार को कलेक्टर के नाम नायब तहसीलदार भगवानदास तमखाने को एक ज्ञापन सौंपा। संघ ने पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की घोषणाओं का पालन न होने का आरोप लगाया है। ज्ञापन में कोटवारों ने वेतन वृद्धि, सेवा भूमि पर फार्मर आईडी बनाने, सेवानिवृत्ति पर एक लाख रुपये की राशि और उनके आश्रितों को नियुक्ति सहित कई प्रमुख मांगें रखी हैं। गौरतलब हो कि जिले में करीब 450 कोटवार कार्यरत है। मध्यप्रदेश कोटवार संघ के जिलाध्यक्ष रामकिशन रोखड़े ने बताया कि कोटवारों को हर साल 500 रुपये वेतन वृद्धि के आदेश 1 अक्टूबर 2023 को जारी हुए थे, लेकिन अब तक इसका लाभ नहीं मिला है। उन्होंने 6 महीने के एरियर को जल्द खातों में डालने की मांग की। साथ ही, कोटवारों को हर महीने की 10 से 15 तारीख के बजाय 1 तारीख को वेतन भुगतान करने की मांग भी की गई। संघ ने यह भी मांग की है कि 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने पर कोटवारों को एक लाख रुपये की राशि दी जाए और उनके बच्चों को कोटवार के पद पर नियुक्त किया जाए। अन्य मांगों में कोटवारों को सीयूजी मोबाइल सिम, उसके रिचार्ज की राशि और वर्दी के लिए राशि सीधे उनके खातों में डालना शामिल है। इसके अलावा, सभी कोटवारों को 2 रुपये में स्वास्थ्य बीमा का लाभ देने की भी मांग की गई है। कोटवारों ने अपनी सेवा भूमि पर फार्मर आईडी बनवाने के आदेश जारी करने की भी मांग की, ताकि उन्हें खाद के लिए टोकन मिल सकें। इस संबंध में नायब तहसीलदार भगवानदास तमखाने ने कहा कि कोटवारों की मांगों को वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

31 मार्च से तक बकाया जलकर भरने पर ब्याज होगा माफ

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश शासन ने प्रदेश के किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। जल संसाधन विभाग द्वारा जारी नए आदेश के अनुसार, जल संसाधन विभाग अंतर्गत 1 अप्रैल 2025 तक की कुल बकाया जलकर राशि एक मुश्त जमा करने की सुविधा प्रदान की गई है। यदि किसान उनके बकाया सिंचाई जलकर की मूल राशि एक मुश्त 31 मार्च 2026 तक जमा करते है, तो अधिरोपित शास्ति (दण्डिक ब्याज) की राशि माफ की जाएगी।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत जागरुकता कार्यक्रम संपन्न

अनोखा तीर, हरदा। भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, एमएसएमई विकास कार्यालय इंदौर द्वारा जिला प्रशासन हरदा के सहयोग से शक्रवार को पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन होटल रुद्राक्ष पैलेस हरदा में किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थितजनों को उद्यमिता, वित्तीय सहायता, ई-कॉमर्स, शासकीय योजनाओं, कौशल विकास, मार्केटिंग, लोन प्रोसेस संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गयी। कार्यक्रम के दौरान भारतीय डाक एवं पे टीएम द्वारा डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने हेतु क्यूआर कोड एवं साउंड बॉक्स लाभार्थियों को निशुल्क उपलब्ध करवाए गए। कार्यक्रम में एमएसएमई इंदौर से सहायक निदेशक गौरव गोयल एवं विकास, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र से प्रबंधक सचिन रोमड़े, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से मोहन लम्बोदरी, भारतीय डाक विभाग से उप विभागीय अधिकारी अमित व्यास एवं अरविन्द जोशी, भारतीय डाक पेमेंट बैंक से भवानी शेखर अपनी टीम के साथ, शासकीय संभागीय आईटीआई हरदा से प्रशिक्षण अधिकारी शरद मालवीय, एनएसडीसी से धर्मेंद्र यादव, पेटीएम से जीतेन्द्र एवं एमपीआईडीसी से शुभम गुप्ता सहित करीबन 220 से ज्यादा हितग्राहियों द्वारा सहभागिता की गयी। समस्त अधिकारियों द्वारा पीएम विश्वकर्मा स्कीम की विस्तृत जानकारी दी एवं साथ ही विभिन्न समस्याओं का समाधान भी मौके पर किया गया।

विधायक ने विधानसभा में उठाया जर्जर सड़कों का मुद्दा

-बजट में शामिल कर निर्माण की मांग

अनोखा तीर, हरदा। मध्य प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान हरदा विधायक डॉ. रामकिशोर दोगने द्वारा नियम 138(1) के अंतर्गत हरदा जिले की जर्जर सड़कों का मुद्दा ध्यानाकर्षण सूचना के माध्यम से प्रमुखता से उठाया गया। विधायक डॉ. दोगने ने सदन में कहा कि हरदा जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों को जोड़ने वाली लिंक सड़कें अत्यंत जर्जर एवं दयनीय स्थिति में हैं। ये सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य आवागमन का साधन हैं, किंतु वर्तमान में इनकी हालत इतनी खराब है कि क्षेत्रवासियों को 10 से 15 किलोमीटर तक अतिरिक्त दूरी तय कर आवागमन करना पड़ रहा है, जिससे ग्रामीणजन अत्यधिक परेशान हैं। विधायक द्वारा जिन मार्गों का उल्लेख किया गया, उनमें प्रमुख रूप से ग्राम मक्तापुर से सोनपुरा तक 04 कि.मी., ग्राम रन्हाई से ग्राम कुकरावद तक 03 कि.मी., ग्राम अबगांवकला-भैरोपुर मार्ग (दानाबाबा के पास नहर मार्ग होते हुए) ग्राम भुन्नास तक 06 कि.मी., ग्राम ऊँडा से ग्राम कोटल्याखेड़ी तक 03.50 कि.मी., ग्राम हंडिया से ग्राम हीरापुर तक 03 कि.मी., ग्राम सुखरास से ग्राम खारपा तक 03 कि.मी., ग्राम सारंगपुर से कुडावा तक 05 कि.मी., ग्राम पलासनेर से ग्राम पहतगांव तक 04 कि.मी., ग्राम झल्लार से ग्राम झिरी तक 03 कि.मी., ग्राम जटपुरा से ग्राम कडोला राघो तक 02 कि.मी., ग्राम सांगावामाल से ग्राम सारसूद तक 04 कि.मी., ग्राम सक्तापुर से ग्राम सुल्तानपुर तक 04 कि.मी. तथा ग्राम पहनपाट से ग्राम सारंगपुर तक 06 कि.मी. शामिल हैं। इन मार्गों की दयनीय स्थिति के कारण आमजन, छात्र-छात्राओं, किसानों एवं मरीजों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वर्षा ऋतु में स्थिति और भी विकट हो जाती है, जिससे आवागमन पूर्णतः बाधित हो जाता है। इस संबंध में विधायक ने सरकार से मांग की कि उपरोक्त सड़क मार्गों को आगामी बजट में प्राथमिकता के आधार पर शामिल कर स्वीकृति प्रदान की जाए तथा शीघ्र निर्माण एवं पुनर्निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

पश्चिम मध्य रेल

पश्चिम मध्य रेलवे सीनियर सेकेन्डरी स्कूल-नया यार्ड इटारसी, जिला-नर्मदापुरम (म.प्र.)-461115
Email : wcrlyschnyet@gmail.com web site: rlyschoolitarsi.org
(CBSE Affiliation No. 1080011) School Code : 54004, Ph. (07572) 265022

पश्चिम मध्य रेलवे सीनि. सेके. स्कूल न्यू यार्ड इटारसी संविदा शिक्षकों की भर्ती हेतु वॉक इन इंटरव्यू

पश्चिम मध्य रेलवे सीनि, सेके. स्कूल न्यू यार्ड इटारसी में शिक्षण सत्र 2026-2027 के लिए संविदा आधार पर अधिकतम 200 कार्य दिवसों हेतु नियुक्ति की जाएगी। पदों की संख्या, वॉक-इन-इंटरव्यू तिथि एवं मानदेय विवरण निम्नानुसार है। क्र.सं.-01, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 07.04.2026, **केटेगरी**- पीआरटी (**PRT**) प्रायमरी टीचर, **पदों की संख्या**-09, **प्रति माह मानदेय**-21,250/-, क्र.सं.-02, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 07.04.2026, **केटेगरी**- टीजीटी (**TGT**) अंग्रेजी (**English**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-26,250/-, क्र.सं.-03, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 07.04.2026, **केटेगरी**- टीजीटी (**TGT**) क्राफ्ट (**Craft**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-26,250/-, क्र.सं.-04, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 08.04.2026, **केटेगरी**- पीजीटी (**PGT**) जीवविज्ञान (**Biology**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-27,500/-, क्र.सं.-05, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 08.04.2026, **केटेगरी**- टीजीटी (**TGT**) विज्ञान (**Science**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-26,250/-, क्र.सं.-06, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 08.04.2026, **केटेगरी**- टीजीटी (**TGT**) हिन्दी (**Hindi**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-26,250/-, क्र.सं.-07, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 08.04.2026, **केटेगरी**- पीजीटी (**PGT**) हिन्दी (**Hindi**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-27,500/-, क्र.सं.-08, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 09.04.2026, **केटेगरी**- टीजीटी (**TGT**) गणित (**Mathematics**), **पदों की संख्या**-02, **प्रति माह मानदेय**-26,250/-, क्र.सं.-09, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 09.04.2026, **केटेगरी**- पीजीटी (**PGT**) भौतिक विज्ञान (**Physics**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-27,500/-, क्र.सं.-10, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 09.04.2026, **केटेगरी**- पीजीटी (**PGT**) रसायनविज्ञान (**Chemistry**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-27,500/-, क्र.सं.-11, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 09.04.2026, **केटेगरी**- पीजीटी (**PGT**) इतिहास (**History**), **पदों की संख्या**-01, **प्रति माह मानदेय**-27,500/-, क्र.सं.-12, **वॉक-इन-इंटरव्यू दिनांक** 09.04.2026, **केटेगरी**- पीजीटी (**PGT**) समाजशास्त्र (**Sociology**), **पदों की संख्या**-02, **प्रति माह मानदेय**-27,500/-

सभी रिक्तियों हेतु कुल पद-22 उक्त नियुक्ति हेतु शैक्षणिक योग्यताएं, अर्हताएं, आयु सीमा, अन्य शर्तें एवं आवेदन का प्रारूप पश्चिम मध्य रेल की वेबसाइट www.wcr.indianrailways.gov.in एवं BHOPAL DIVISION PERSONNAL DEPARTMENT के Facebook Page पर उपलब्ध है। आवेदक शैक्षणिक योग्यताएं, अर्हताएं, आयु सीमा, आवेदन फॉर्म तथा अन्य शर्तें डाउनलोड करें। अभ्यर्थी अपनी पात्रता स्वयं जाँचने के उपरांत वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए निर्धारित दिनांक पर दिए गए प्रारूप में आवेदन, आवश्यक मूल एवं स्वसत्यापित प्रमाण पत्रों सहित पश्चिम मध्य रेलवे सीनि. सेके. स्कूल, न्यू यार्ड इटारसी, जिला नर्मदापुरम (म.प्र.) - 461115 में उपस्थित हों। साक्षात्कार हेतु पंजीकरण एवं दस्तावेज सत्यापन प्रातः 08:00 से 10:00 बजे के मध्य होगा।"

(हस्ता.)
सहायक कार्मिक अधिकारी, पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान, एक कदम स्वच्छता की ओर

हेल्प लाईन नंबर

सीएम हेल्प लाईन	181
पुलिस	112
फायर बिग्रेड	101
एम्बुलेन्स	108
चाईल्ड हेल्प लाईन	1098
किसान कॉल सेंटर	18001801551
विद्युत शिकायत	18002331912
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112-100
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेन्स सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाईल्ड लाईन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाईन	1076
क्राईम सटायर	1090
महिला सहायता	1091
पृथ्वी भूकंप	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान कॉल सेंटर	1098
नागरिक कॉल सेंटर	155300

संपादकीय

वोटर लिस्ट की बड़ी परीक्षा...

लोकतंत्र में चुनाव की शुचिता का मूल आधार पारदर्शिता और निष्पक्षता पर टिका होता है। पात्र मतदाता ही चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनें, यह सुनिश्चित करने के लिए मतदाता सूची में समय-समय पर संशोधन जरूरी होता है। इसी उद्देश्य से निर्वाचन आयोग ने देश के विभिन्न राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू की है, मगर इसमें कई तरह की आशंकाएं और चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। खासकर पश्चिम बंगाल में पुनरीक्षण को लेकर कई मौकों पर निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार को आमने-सामने देखा गया है। सवाल और आरोप वही हैं कि राज्य में इस प्रक्रिया का राजनीतिकरण किया जा रहा है।

पहले नागरिकता प्रमाण पत्रों को लेकर विवाद उठा, फिर बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम के बोझ का मुद्दा सुर्खियों में आया और अब तार्किक विसंगतियों से संबंधित दावों और आपत्तियों के पारदर्शी तरीके से समय पर निपटारे का मसला सामने आया है।

सर्वोच्च न्यायालय ने पिछले सप्ताह इस कार्य में सहायता के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया था और अब राज्य के दीवानी न्यायाधीशों की तैनाती तथा पड़ोसी राज्यों झारखंड और ओड़ीशा से न्यायिक अधिकारियों को बुलाने की अनुमति भी दे दी है।

गौरतलब है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की शुरुआत बिहार से हुई थी और तब से लेकर यह प्रक्रिया विवादों में है। शुरू में चुनाव आयोग की ओर से आधार कार्ड को पहचान पत्र के दस्तावेज में शामिल नहीं करने का मुद्दा प्रमुखता से उठा था, मगर बाद में सर्वोच्च

न्यायालय के निर्देश पर इसे पहचान के दस्तावेज में शामिल कर लिया गया।

मगर पश्चिम बंगाल में आधार कार्ड को लेकर चुनाव आयोग की आशंकाएं अभी भी बरकरार हैं। शीर्ष अदालत में मंगलवार को आयोग की तरफ से दलील दी गई कि देश भर में फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर हो रहा है और बंगाल में ऐसे मामलों की संख्या सर्वाधिक है। इस पर अदालत ने कहा कि ऐसे मामलों में गहन जांच की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन यह समय इसके लिए उपयुक्त नहीं है। साथ ही कहा कि चूंकि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम में संशोधन से आधार को पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया गया था, इसलिए इसे स्वीकार करना होगा।

दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार का दावा था कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत राज्य में तार्किक विसंगतियों को लेकर बड़ी संख्या में लोगों को नोटिस भेजे गए हैं और अब करीब अस्सी लाख दावों और आपत्तियों का निपटारा किया जाना है, जिसमें निष्पक्षता बेहद जरूरी है।

इसी के मद्देनजर सर्वोच्च अदालत ने इस कार्य में मदद के लिए सेवारत और पूर्व जिला न्यायाधीशों को तैनात करने का निर्देश दिया है। सवाल है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया में शीर्ष अदालत को बार-बार दखल क्यों देना पड़ रहा है?

इस कार्य को पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है और इसमें संबंधित राज्य सरकार को भी हरसंभव सहयोग करना होता है। ऐसे में अपेक्षा यही की जाती है कि इस कार्य को सियासत से दूर रखकर बेहतर समन्वय और सामंजस्य के साथ काम किया जाए।

बहरहाल, सबसे जरूरी पहलू यह है कि नई मतदाता सूची तैयार करने में पूरी ईमानदारी बरती जाए, ताकि सभी पात्र नागरिकों का मताधिकार सुरक्षित रहे।

ग्रहण, होलिका दहन और रंगोत्सव : शास्त्र सम्मत निर्णय

-आचार्य राजेश

इस वर्ष होली के पर्व पर ग्रहण के चलते असमंजस की स्थिति बनी हुई है ऐसे में शास्त्रों के अनुसार समय और नियमों का पालन करना अत्यंत कल्याणकारी रहेगा। तिथि और समय की गणना के अनुसार विशेष दिशा-निर्देश निम्नलिखित हैं-

होलिका दहन (2 मार्च)

शास्त्रों के अनुसार, पूर्णिमा तिथि 2 मार्च को सायंकाल 5:27 (गोधूली बेला से पूर्व) प्रारंभ हो रही है। अतः होलिका पूजन और प्रज्वलन 2 मार्च को ही किया जाना शास्त्र सम्मत और शुभ है।

ध्यान दें 3 मार्च को गोधूली बेला से पूर्व ही पूर्णिमा समाप्त हो रही है, निर्णय सिंधु अनुसार तीन पहर व्यापनी पूर्णिमा 3 मार्च को नहीं है इसलिए दहन का मुख्य विधान 2 मार्च को ही मान्य होगा।

रंगोत्सव एवं अनराय की होली- परंपरा के अनुसार, जिस दिन होलिका प्रज्जवलित की जाती है, उसके अगले दिन रंगोत्सव (रंग वाली होली) और अनराय की होली मनाई जाती है।

3 मार्च को ग्रहण का प्रभाव होने के कारण समय का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

ग्रहण, सूतक काल और होली उत्सव

3 मार्च को ग्रहण लगने के कारण सूतक काल के नियमों का पालन करना उचित रहेगा।

- ठाकुर जी को रंग अर्पण सूतक काल सुबह 9:20 बजे से प्रारंभ होगा। अतः इससे पूर्व ही भगवान को अबीर-गुलाल अर्पित कर होली उत्सव की शुरूआत कर लेनी चाहिए।

- होली खेलने का समय शास्त्रानुसार सूतक काल में होली खेलने (रंग खेलने) में कोई दोष नहीं लगता है।

- शुभ समय ग्रहण काल के दौरान मानसिक शांति और सात्विकता बनाए रखना आवश्यक है। इसलिए दोपहर से पूर्व (सूतक के शुरूआती समय में) होली मनाना सबसे उत्तम और शुभ फलदायी होगा।

अतः 2 मार्च की शाम को होलिका दहन करें और 3 मार्च को सुबह 8 बजे से पहले प्रभु को रंग लगाकर दोपहर तक उल्लासपूर्वक होली मनाएं।

निर्माण स्थल पर सुरक्षित मिट्टी भराव कार्य हेतु मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करें

अनोखा तीर, हरदा। श्रम पदाधिकारी हरदा ने जिले के सभी निर्माण कार्य नियोक्ताओं को अपने-अपने संचालित निर्माण कार्य स्थल पर सुरक्षित मिट्टी भराव कार्य के दौरान मानक संचालक प्रक्रिया का पालन करने के निर्देश दिये है। उन्होने निर्देशित किया है कि कार्य के दौरान दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु श्रमिकों, पर्यवेक्षकों एवं मशीन ऑपरेटरों की सुरक्षा कार्य प्रणाली अपनाये जाने के निर्देशों का पालन किया जाए। उन्होने निर्देशित किया है कि लैंडफिलिंग कार्य के दौरान श्रमिकों को पीपीई अनिवार्य रूप में पहनावा सुनिश्चित करें, कार्य प्रारम्भ से पूर्व सुरक्षा की जांच की जावे, सामग्री की ढुलाई एवं अनलोडिंग समतल व स्थिर स्थान पर की जाए, कम्पैक्शन मशीन प्रशिक्षित ऑपरेटर से ही चलवाई जावे, सभी मशीनों में रिवर्स अलार्म आवश्यक रूप से कार्यशील हो तथा फिसलन एवं धंसाव व गिरने से सुरक्षा हो। मिट्टी भराव कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही से दुर्घटना होने पर संबंधित ठेकेदार पूर्णतः उत्तरदायी होंगे।

अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत के सामने गहराता 'मौन संकट'

नृपेंद्र अभिषेक नृप

> खाद्यान्न के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण लोग अधिक प्रसंस्कृत और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ ऊर्जा तो देते हैं, परंतु उनमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। संतुलित आहार, साबुत अनाज, दालें, फल और सब्जियों के महत्त्व को समझाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि परिवारों, विशेषकर माताओं को सही जानकारी मिले, तो बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। देखा जाए तो आर्थिक पहलू भी इस समस्या से जुड़े हुए हैं। किसान वही फसल उगाते हैं, जिसकी बाजार में मांग और उचित मूल्य मिलता है। यदि पोषक तत्त्वों से भरपूर फसलों को पर्याप्त समर्थन मूल्य और बाजार उपलब्ध नहीं होगा, तो जाहिर है कि किसान उनमें ज्यादा रुचि नहीं लेंगे और उनका उत्पादन सीमित ही रहेगा।

भूख के विरुद्ध हमारी लंबी लड़ाई ने खेतों को लहलहाया, भंडारों को भरा और अन्न की कमी को काफी हद तक दूर किया। मगर, इस उपलब्धि के बीच एक मौन संकट पनपता रहा और वह है पोषण की कमी। पेट तो भर गया, पर शरीर को वह संपूर्ण ऊर्जा नहीं मिल सकी, जो स्वस्थ जीवन का मूल आधार है। कई दशकों तक दुनिया भर में भूख से लड़ने का मुख्य उपाय यही माना गया कि अधिक से अधिक खाद्यान्न पैदा किया जाए। हरित क्रांति और उसके बाद कृषि के आधुनिकीकरण ने भारत जैसे देशों को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। मगर आज चुनौती केवल पेट भरने की नहीं है, बल्कि शरीर को सही पोषण देने की भी है। यह दोहरी समस्या हमें कृषि नीतियों, फसल विकास की दिशा और खाद्य व्यवस्था पर गंभीरता से पुनर्विचार करने की ओर इशारा करती है।

फसलों की नई-नई किस्में इस उद्देश्य से विकसित की गई थीं कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन अधिकतम हो सके। इन किस्मों ने खेती की तस्वीर बदल दी और लाखों लोगों को भुखमरी से बचाया। मगर जब पूरी प्राथमिकता उपज बढ़ाने पर केंद्रित हो गई, तब फसलों के पोषण मूल्य पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया। कई अध्ययनों से संकेत मिला है कि गेहूं और चावल जैसे खाद्यान्न की आधुनिक किस्मों में लौह तत्त्व, जिंक और कुछ विटामिन की मात्रा पारंपरिक देसी किस्मों की तुलना में कम हो सकती है। भले ही यह अंतर बहुत बड़ा न हो, लेकिन जिस समाज का भोजन मुख्य रूप से अनाज पर आधारित है, वहां इसका प्रभाव व्यापक हो सकता है। जब आहार में विविधता कम हो और अधिकांश भोजन केवल एक-दो फसलों पर निर्भर हो, तब पोषक तत्त्वों में हल्की-सी कमी भी बड़े पैमाने पर कुपोषण का कारण बन जाती है। भारत में पोषण की मौजूदा स्थिति इस सच्चाई को स्पष्ट करती है।

दुनिया के चावल और गेहूं के बड़े उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद भारत में रक्त की कमी, ठिगनापन और कम वजन की समस्या बनी हुई है। विशेषकर प्रजनन आयु की महिलाएं और छोटे बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। विभिन्न राष्ट्रीय सर्वेक्षणों और वैश्विक रपटों से यह बात सामने आती रही है कि खाद्य सुरक्षा और पोषण सुरक्षा एक ही बात नहीं है। केवल अनाज की उपलब्धता बढ़ जाने से पोषण की समस्या हल नहीं होती। महिलाओं और बच्चों में रक्त की कमी का बने रहना इस बात का प्रमाण है कि उन्हें जरूरी लौह तत्त्व और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्त्व पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रपट के अनुसार, भारत में वर्ष 2024 में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में से 18.7 फीसद कुपोषण से पीड़ित थे। इसी तरह राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2019-21) के मुताबिक, देश में पांच वर्ष से कम उम्र के 35.5 फीसद बच्चे बौने हैं। इससे एक बात तो स्पष्ट है कि केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि कितना खाद्यान्न पैदा हो रहा है; यह भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है कि उस खाद्यान्न में पोषक तत्त्वों की स्थिति क्या है।

इन चुनौतियों को समझते हुए कृषि अनुसंधान संस्थानों ने अब पोषक तत्त्वों से भरपूर किस्में विकसित करने की दिशा में काम शुरू किया है। जैव-संवर्धन इसी प्रयास की एक अहम कड़ी है। इसमें फसलों की ऐसी किस्में विकसित की जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पोषक तत्त्वों की मात्रा अधिक हो। यह समाधान टिकाऊ है, क्योंकि इसमें फसल की कटाई के बाद अलग से पोषक तत्त्व मिलाने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि पोषण सीधे खेत से ही भोजन में पहुंचता है।

फिर भी केवल तकनीकी उपाय पर्याप्त नहीं हैं। कृषि नीति में व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा, जिसमें आहार की विविधता को महत्त्व दिया जाए। पारंपरिक खेती में दालें, मोटे अनाज, तिलहन, फल और सब्जियां सब शामिल होते थे, जिससे संतुलित पोषण मिलता था। मगर समय के साथ एक ही प्रकार की फसलों पर निर्भरता बढ़ी और खेतों की विविधता कम हो गई। जबकि मोटे अनाज जैसे बाजरा, ज्वार और रागी पोषक तत्त्वों से भरपूर होते हैं और सूखे की स्थिति में इनकी पैदावार अच्छी होती है। इन्हें 'पोषक अनाज' के रूप में फिर से बढ़ावा देना कुपोषण से लड़ने का सशक्त माध्यम हो सकता है।

मिट्टी का स्वास्थ्य भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यदि मिट्टी में सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी होगी, तो फसलों में भी उनकी मात्रा कम हो सकती है। रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग और जैविक पदार्थों की कमी से मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है। इसलिए संतुलित उर्वरक प्रयोग, फसल चक्र, जैविक खाद और मिट्टी परीक्षण जैसी पद्धतियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। स्वस्थ मिट्टी में उगाई गई फसलें न केवल अधिक उत्पादन देती हैं, बल्कि बेहतर पोषण भी प्रदान करती हैं। इस प्रकार मिट्टी की सेहत, फसल की गुणवत्ता और मानव स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

ऐसे में सार्वजनिक वितरण प्रणाली और खाद्य सहायता कार्यक्रमों में भी बदलाव की आवश्यकता है। अब तक इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्याप्त अनाज उपलब्ध कराना रहा है। यदि इन्हीं प्रणालियों के माध्यम से पोषक तत्त्वों से भरपूर अनाज, दालें और अन्य खाद्य पदार्थ वितरित किए जाएं, तो पोषण सुधार में खासी मदद मिल सकती है। विद्यालयों के मध्याह्न भोजन और गर्भवती महिलाओं के लिए पोषण योजनाओं में स्थानीय तथा विविध खाद्य पदार्थों को शामिल करने से उनकी सेहत में सुधार हो सकता है।

खाद्यान्न के प्रति उपभोक्ताओं की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। शहरीकरण और बदलती जीवनशैली के कारण लोग अधिक प्रसंस्कृत और डिब्बाबंद खाद्य पदार्थों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। ये खाद्य पदार्थ ऊर्जा तो देते हैं, परंतु उनमें पोषक तत्त्वों की कमी होती है। संतुलित आहार, साबुत अनाज, दालें, फल और सब्जियों के महत्त्व को समझाने के लिए जन-जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। यदि परिवारों, विशेषकर माताओं को सही जानकारी मिले, तो बच्चों के पोषण स्तर में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

देखा जाए तो आर्थिक पहलू भी इस समस्या से जुड़े हुए हैं। किसान वही फसल उगाते हैं, जिसकी बाजार में मांग और उचित मूल्य मिलता है। यदि पोषक तत्त्वों से भरपूर फसलों को पर्याप्त समर्थन मूल्य और बाजार उपलब्ध नहीं होगा, तो जाहिर है कि किसान उनमें ज्यादा रुचि नहीं लेंगे और उनका उत्पादन सीमित ही रहेगा। इसलिए सरकार को व्यापक स्तर पर ऐसी नीतियां और योजनाएं बनानी चाहिए, जो किसानों को विविध एवं पोषक फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करें।

इन सब के बीच जलवायु परिवर्तन भी एक नई चुनौती बनकर सामने आया है। तापमान में वृद्धि और अनियमित वर्षा फसल उत्पादन एवं उनके पोषण मूल्य को प्रभावित कर सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि वातावरण में कार्बन डाइआक्साइड की बढ़ती मात्रा से फसलों में प्रोटीन और पोषक तत्त्वों की मात्रा घट सकती है। ऐसे में जलवायु के अनुकूल और पोषण से भरपूर फसलों की नई किस्मों का विकास जरूरी है। इक्कीसवीं सदी में भूख से लड़ाई केवल मात्रा पर नहीं, बल्कि गुणवत्ता पर भी केंद्रित होनी चाहिए। हर नागरिक को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना मानव विकास की बुनियादी जरूरत है। यदि हम पोषण-संवेदनशील कृषि में निवेश करते हैं, तो इससे शिक्षा, रोजगार और आर्थिक प्रगति पर दूरगामी एवं सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसलिए अब जरूरी है कि हम कृषि विकास के अगले चरण में पोषक तत्त्वों से भरपूर खाद्यान्न को केंद्र में रखकर आगे बढ़ें।

रंगों का राष्ट्रव्यापी उत्सव भारत में होली के विविध रूप

होली की विशेषता यह है कि इसमें औपचारिकता कम और आत्मीयता अधिक होती है। लोग जाति, वर्ग, आयु और पद का भेद भूलकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। यह समानता और अपनत्व का संदेश देता है। और फिर बात हो गुजिया की-खोया, मेवा और नारियल से बनी यह पारंपरिक मिठाई होली के स्वाद को पूर्णता देती है। घर-घर से उठती घी की सुगंध, पकवानों की खुशबू और ढोल-नगाड़ों की धुन वातावरण को उल्लास से भर देती है।

सुशील कुमार जैन

लेखक एवं स्तंभकार

डिजिटलीकरण कृत्रिम बुद्धिमत्ता की दुनिया से अलग दूर कहीं जब फाल्गुन की हवा में बसंत की मादकता घुलती है, सरसों के खेत पीले हो उठते हैं और प्रकृति नवजीवन से भर जाती है, तब रंगों का यह त्योहार जीवन में नई ऊर्जा भर देता है। जहां दीपावली प्रकाश का, नवरात्रि शक्ति का और छठ पूजा आस्था का प्रतीक है, वहीं होली आनंद, उन्मुक्तता और प्रेम का उत्सव है। यह पर्व हमें सिखाता है कि जीवन में रंग केवल बाहरी नहीं, बल्कि भीतरी भी होने चाहिए। होली का यही अनोखा रंग, बसंत का यही अंदाज़ और गुजिया का यही स्वाद इसे अन्य सभी त्योहारों से थोड़ा अलग, थोड़ा अधिक जीवंत और अत्यंत उत्साहपूर्ण बना देता है। होली की विशेषता यह है कि इसमें औपचारिकता कम और आत्मीयता अधिक होती है। लोग जाति, वर्ग, आयु और पद का भेद भूलकर एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। यह समानता और अपनत्व का संदेश देता है। और फिर बात हो गुजिया की-खोया, मेवा और नारियल से बनी यह पारंपरिक मिठाई होली के स्वाद को पूर्णता देती है। घर-घर से उठती घी की सुगंध, पकवानों की खुशबू और ढोल-नगाड़ों की धुन वातावरण को उल्लास से भर देती है।

-फाल्गुन की हवा में बसंत की मादकता संग होली के रंग

ब्रज की लठमार और फूलों की होली (उत्तर प्रदेश)- होली का नाम आते ही सबसे पहले स्मरण होता है ब्रजभूमि का-मथुरा, वृंदावन, बरसाना और नंदगांव। यहाँ की लठमार होली विश्वविख्यात है, जहाँ परंपरा के अनुसार महिलाएं पुरुषों पर प्रतीकात्मक रूप से लाठियां बरसाती हैं। वृंदावन में फूलों की होली मंदिरों में भक्ति और प्रेम के साथ खेली जाती है। यह केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं का सांस्कृतिक पुर्नस्मरण है।

बंगाल की डोल यात्रा और बसंतोत्सव- पश्चिम बंगाल में होली डोल यात्रा के रूप में मनाई जाती है। शांतिनिकेतन में आरंभ की गई परंपरा, जिसे रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने बसंतोत्सव का स्वरूप दिया, आज भी विशेष आकर्षण का केंद्र है। विद्यार्थी पीले वस्त्र पहनकर गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से बसंत का स्वागत करते हैं।

होली पर पंजाब का होला मोहल्ला- पंजाब में होली के साथ ही होला मोहल्ला मनाया जाता है, जिसका प्रमुख आयोजन आनंदपुर साहिब में होता है। यह परंपरा गुरु गोबिंद सिंह द्वारा प्रारंभ की गई थी। इसमें निहंग सिखों के युद्ध कौशल, गतका प्रदर्शन और धार्मिक शोभायात्राएं

देखने योग्य होती हैं।

महाराष्ट्र और गुजरात की खास रंगपंचमी- महाराष्ट्र और गुजरात में होली के पाँचवें दिन रंगपंचमी विशेष रूप से मनाई जाती है। यहाँ रंगों के साथ लोकनृत्य और सामूहिक उत्सव का वातावरण होता है।

होली मे दक्षिण भारत की सांस्कृतिक झलक कुछ अलग- कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में होली अपेक्षाकृत शांत और सांस्कृतिक रूप में मनाई जाती है। यहां धार्मिक अनुष्ठान, पारंपरिक भोजन और पारिवारिक मिलन इसका मुख्य आधार हैं।

अब आज के समय में होली केवल रंगों तक सीमित नहीं रही। यह पर्यावरण जागरूकता, जल संरक्षण और प्राकृतिक रंगों के प्रयोग का संदेश भी देती है। समाज में बढ़ती कृत्रिमता के बीच होली हमें सादगी, अपनत्व और सामूहिकता की ओर लौटने का अवसर देती है।

होली का वास्तविक अर्थ है-मन के विकारों को जलाकर प्रेम, समानता और सौहार्द के रंगों में रंग जाना।

भारत की विविधता में एकता का यह अद्भुत उदाहरण हमें याद दिलाता है कि चाहे भाषा, वेशभूषा या परंपराएं भिन्न हों, हृदय का उत्साह और आनंद एक ही है। भारत उत्सवों की भूमि है, और उनमें भी होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक प्रतीक का विराट उत्सव है। फाल्गुन पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व देश के हर कोने में अलग रंग, अलग परंपरा और अलग लोकभाव के साथ जीवंत हो उठता है।

सार-समाचार

ओंकारेश्वर में शुकदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण के संबंध में बैठक संपन्न

अनोखा तीर, खंडवा। शुक्रवार को ओंकारेश्वर मंदिर स्थित शुकदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण के संबंध में पुलिस थाना मांधाता के कंट्रोल रूम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पुनासा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी ओंकारेश्वर मंदिर ट्रस्ट पंकज वर्मा

ने बताया कि श्री ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर स्थित शुकदेव मुनि द्वार की वर्तमान में चौड़ाई दो से ढाई फीट है, इसे चार से पांच फीट किया जाने से श्रद्धालुओं को दर्शन करने में सुगमता होगी। बैठक में उपस्थित आर्किटेक्ट रितुराज द्वारा शुकदेव मुनि द्वार चौड़ीकरण के संबंध में प्रोजेक्टर के माध्यम से द्वार चौड़ीकरण की जानकारी दी गई। बैठक में महंत मंगलदास त्यागी अध्यक्ष षट्दर्शन संत मंडल, ओंकारेश्वर एव षट्दर्शन संत मडंल के महात्मा गण, नवलकिशोर शर्मा अध्यक्ष पंडा संघ एवं अन्य ब्राह्मण गण मंदिर पुजारीगण, प्रकाश परिहार नगर परिषद् अध्यक्ष प्रतिनिधि, अधिवक्ता मनिष पुरोहित, गजेन्द्र अग्रवाल सांसद प्रतिनिधि पत्रकारगण, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती मोनिका पारधी, थाना मांधाता की प्रतिनिधि चेतना चौहान सहित अन्य गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधियों ने बैठक में श्री शुकदेव मुनि द्वार के चौड़ीकरण के लिए अपनी सर्वसहमति प्रदान की।

रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप रोजगार मेला 5 मार्च को होगा आयोजित

अनोखा तीर, खंडवा। रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन शासकीय आईटीआई खंडवा में आगामी 5 मार्च गुरूवार को प्रातः 11 से दोपहर 3 बजे तक किया जाएगा। इस रोजगार मेले में प्रदेश की विभिन्न कंपनियों के द्वारा तकनीकी एव गैर-तकनीकी क्षेत्र में लगभग 200 बेरोजगार युवक युवतियों की निजी क्षेत्र में भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलौटे ने बताया कि जिन अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक या स्नातकोत्तर है, और आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष के बीच है, उनमें से चयनित युवाओं को 8 हजार रुपए से 25 हजार रुपए संबंधित कंपनी द्वारा मानदेय दिया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी श्री सिलौटे ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को अन्य सुविधाएं कंपनियों के नियमानुसार रहेंगी। इच्छुक आवेदक अपने समस्त मूल दस्तावेज की फोटोकॉपी, पासपोर्ट साइज के 4 फोटो, आधार कार्ड, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन कार्ड के साथ उपस्थित होकर रोजगार मेले का लाभ उठा सकते हैं। इसके लिए मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

संकल्प से समाधान

अभियान के तहत सिंगोट व बोरगांव बुजुर्ग में शिविर आज

अनोखा तीर, खंडवा। नागरिकों को उनकी पात्रतानुसार सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति को उसकी पात्रता के अनुसार सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने का प्रयास किया जा रहा है। जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि इस अभियान के तहत पंधाना विकासखंड के ग्राम सिंगोट व बोरगांव बुजुर्ग में 28 फरवरी को शिविर आयोजित कर ग्रामीणों के आवेदनों का निराकरण किया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए कुल 7 केंद्रों पर आज से लगेंगे एचपीवी टीके

अनोखा तीर, खंडवा। महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान 28 फरवरी से प्रारंभ हो रहा है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत ने बताया कि 14 वर्ष पूर्ण कर चुकी, और 15 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों को एचपीवी सर्वाइकल कैंसर रोग का टीका लगाया जाएगा। स्कूलों के माध्यम से इस उम्र वर्ग की लड़कियों की सूची तैयार की गई है। इसके आधार पर ही जिले में कुल 7 टीकाकरण केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें जिला चिकित्सालय खंडवा व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंधाना, छैगांवमाखन, मूंदी, खालवा, हरसूद एवं किल्होद पर ही टीके लगाए जाएंगे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जुगतावत ने बताया कि महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय के निचले हिस्से में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि के कारण आमतौर पर ह्यूमन पैपिलोमा वायरस के संक्रमण से होता है। इसके लक्षणों में महिलाओं में असामान्य रक्तस्त्राव, बदबूदार सफेद पानी, कमर दर्द व पेल्विक दर्द जैसे लक्षण होना शामिल हैं। यह कैंसर महिलाओं में सामान्यतः 30 साल की उम्र के बाद होता है। किशोरावस्था में एचपीवी वैक्सीन लगवाने के बाद इस रोग के होने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

भूकंप पूर्व की तैयारी एवं क्षमतावर्धन के संबंध में दिया प्रशिक्षण

अनोखा तीर, खंडवा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन विभाग इकाई खंडवा के तत्वावधान में भूकंप पूर्व की तैयारी एवं क्षमतावर्धन कार्यक्रम के संबंध में 5 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में शासकीय नियमित अधिकारियों को सम्मिलित किया गया तथा द्वितीय सत्र में एनसीसी, एनएसएस के कैडेट्स, नेहरू युवा केंद्र के युवा प्रतिनिधि तथा होमगार्ड, सिविल डिफेंस एवं आपदा मित्रों को प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण सत्र के पहले दिन डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड आशीष कुमार कुशवाहा ने भूकंप के इतिहास एवं इसके कारणों के संबंध में जानकारी दी। जिला चिकित्सालय के मेडिकल ऑफिसर डॉ. विशाल ने भूकंप आने की स्थिति में की जाने वाली तात्कालिक कार्यवाही एवं शारीरिक बचाव के संबंध में बताया। जिला चिकित्सालय के डॉ. मनोहर ने भूकंप की स्थिति में की जाने वाली लाइफ सेविंग गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण में एसएन कॉलेज, खंडवा के प्रोफेसर रवि किराड़ ने भूकंप आने के कारणों, भूगर्भीय हलचल एवं भूकंप की संभावनाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में रविन्द्र महिवाल, प्लाटून कमांडर द्वारा सीपीआर देने के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रशिक्षार्थियों द्वारा ड्रेसिंग एवं सीपीआर की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी प्राप्त की।

रंग भरी एकादशी पर पत्रकारों ने किया पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, पत्रकारों की सक्रिय सहभागिता

अनोखा तीर, खरगोन। रंग भरी एकादशी के पावन अवसर पर ओल्ड पीआरओ परिसर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शहर के अनेक पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए बिल्वपत्र, पीपल, जाम आम के पौधे लगाए और हरित वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में पर्यावरण जागरूकता बढ़ाना तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति लोगों को प्रेरित करना था। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शशि शर्मा, ओम रामनेकर, मनीष मडाहर, सदाशिव वर्मा, संदीप मंडाहर, उमेश रेवलिया, प्रवीण पाल, शुभम बगलाने, सोनू ठक्कर, आसिफ खान, अंकित बडोले, कन्हैया कुमरावत, रामेश्वर बडोले, ममताराम पातुद सहित अन्य पत्रकार उपस्थित रहे। सभी ने कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का कार्य नहीं बल्कि निरंतर चलने वाला अभियान होना चाहिए और हर व्यक्ति को इसमें योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित पत्रकारों ने लगाए गए पौधों की देखरेख का संकल्प लिया तथा लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की।

होली से पहले शहर में खरीदारी तेज, रंगों से सराबोर बाजार

शहरभर में सजी रंग-गुलाल की दुकानें • बाजारों में उमड़ी भीड़, बच्चों और युवाओं में उत्साह

अनोखा तीर, खरगोन। होली पर्व के आगमन के साथ ही शहर के प्रमुख बाजार रंग-गुलाल की दुकानों से सज गए हैं। एमजी रोड, श्री कृष्णा टॉकीज चौराहा, पोस्ट ऑफिस चौराहा, गायत्री मंदिर बस स्टैंड और बीस्टान रोड, सराफा बाजार सहित कई क्षेत्रों में दुकानदारों ने आकर्षक तरीके से रंग-गुलाल, हर्बल कलर, पिचकारियां और त्योहार से जुड़ी सामग्री सजाकर रखी है। व्यापारियों के अनुसार इस बार चाइनीस पिचकारी की बाजार में सबसे ज्यादा डिमांड देखने को मिल रही है। आधुनिक डिजाइन, आकर्षक आकार और कम कीमत के कारण बच्चे और युवा इन्हें ज्यादा पसंद कर रहे हैं। साथ ही हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल की मांग भी बढ़ी है, क्योंकि लोग त्वचा और पर्यावरण को लेकर सजग हो रहे हैं। दुकानदारों के अनुसार इस बार हर्बल और ऑर्गेनिक गुलाल की मांग अधिक है, क्योंकि लोग त्वचा और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर सजग हो रहे हैं।

बच्चों के लिए कार्टून डिजाइन वाली पिचकारियां और रंगीन पानी वाले खिलौने खास आकर्षण बने हुए हैं। खरीदारी करने आए लोगों का कहना है कि बाजार की चहल-पहल से त्योहार का उत्साह और बढ़ जाता है। वहीं प्रशासन द्वारा मिलावटी रंगों की बिक्री रोकने के लिए निगरानी रखने की बात कही गई है, ताकि सभी सुरक्षित और आनंदमय होली मना सकें।

उद्योग विभाग की विभिन्न समितियों की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

अनोखा तीर, खंडवा। जिला पंचायत खंडवा के सभागृह में जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड, जिला स्तरीय निर्यात प्रोत्साहन समिति एवं जिला स्तरीय निवेश संवर्धन एवं समन्वय समिति की बैठक अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विकासाधीन नवीन औद्योगिक क्षेत्र सुरगांव निपानी के विकास कार्य, एक जिला एक उत्पाद, के प्रसंस्करण को प्रोत्सावहन, औद्योगिक इकाइयों में निर्यात को बढ़ावा देने के साथ उद्यमियों को आ रही समस्याओं के निराकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सभी आपसी विभागीय समन्वय द्वारा उद्योपतियों को जिले के विकास हेतु हर संभव सहायता प्रदान करें। बैठक में एमएसएमई उद्योगों के संवर्धन आवश्यक परामर्श एव सुझावों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही डिस्ट्रिक्ट बिजनेस रिफॉर्म एक्शन प्लान के अंतर्गत जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को एकल खिड़की निवेश सहायक केंद्रक के रूप में स्थापित कर नियामक प्रक्रियाओं को सरल बनाने औद्योगिक सेवओं को डिजिटल करने, भूमि डायवर्शन, निर्माण परमिशन और व्यापार लाइसेंस जैसी सेवाओं को एक निश्चित समय सीमा में पूरा करने पर विचार

विमर्श किया गया। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र खंडवा के महाप्रबधंक एसएस रावत ने जिले के नवीन औद्योगिक क्षेत्र सुरगांव निपानी की विकास कार्य की प्रगति, भूमि आवंटन की प्रक्रिया एवं दर आदि के संबंध में बताया गया। बैठक में चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के सचिव सुनील बंसल, संबंधित समिति के अन्य सदस्य, एमपीआईडीसी इंदौर के प्रतिनिधि, नगर निगम खंडवा के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक, उप संचालक कृषि, वन विभाग, नगर एवं ग्राम निवेश, एमपीईबी, श्रम एवं मत्स्य विभाग के अधिकारी भी मौजूद थे।

संकल्प से समाधान

अभियान के तहत अटूटखास व नर्मदानगर में शिविर संपन्न

अनोखा तीर, खंडवा। सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ नागरिकों को दिलाने के उद्देश्य से प्रदेश में इन दिनों संकल्प से समाधान अभियान आयोजित किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत शुक्रवार को पुनासा विकासखंड के ग्राम अटूटखास व नर्मदानगर में शिविर आयोजित किए गए। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि ग्राम पंचायत अटूट खास में आयोजित क्लस्टर स्तरीय शिविर में कुल 1605 आवेदन स्वीकृत किए गए। जबकि नर्मदानगर में कुल 1734 आवेदनों को स्वीकृति दी गई।

अटूटखास शिविर में ग्रामीणों को मिली सहायता

अटूटखास शिविर में कुमारी रिद्धि पवन, प्रियांशु सालक्रम, प्रियांशी आत्माराम को लाडली लक्ष्मी योजना संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही कृष्णा, प्रताप, जयराम, बवाया, राधा बाई, द्रोपदी बाई, दयाराम, सुंदरलाल, मोजीलाल, हरिराम, मेवा बाई, शंकर हीरा, राजू व तारा राम की पेंशन स्वीकृत की गई। साथ ही जयराम जाधव, जयपाल, पियर्सिंग, गाजू, विष्णु, जलमसिंह, शोभाराम, विष्णु प्रताप, मोहनलाल, लीला बाई और शिवराम को खसरा खतौनी की स्वीकृति वितरित की गई। इसके अलावा जानवी, शीला, प्रेमलता, अमित और सुनीता को आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

सेवंती बाई का वर्षों पुराना सपना हुआ साकार

• मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत जिले के वृद्धजन अयोध्या के लिए हुए रवाना

अनोखा तीर, खंडवा। प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना गरीब परिवारों के बुजुर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है। जो वृद्धजन गरीबी के कारण तीर्थयात्रा नहीं कर पा रहे थे, उनके लिए यह योजना एक स्वर्ण अवसर की तरह है। जिले के ग्राम रांजनी निवासी 70 वर्षीय श्रीमती सेवंती बाई ने तीर्थयात्रा के लिए रवाना होने से पूर्व भावुक होकर बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने से वह पूरे जीवनकाल में एक भी तीर्थयात्रा नहीं कर पाई थी।

सेवंती बाई ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत अयोध्या तीर्थयात्रा की खबर उसने सुनी, तो इस यात्रा के बारे में पता लगाया और तहसील के माध्यम से आवेदन कर दिया। आज उसे अयोध्या तीर्थयात्रा करने का अवसर मिल रहा है। यह सोचकर सेवंती बाई बहुत खुश है कि उसे अयोध्या में रामलला के दर्शन होंगे और वह धन्य हो जाएगी।

डिप्टी कलेक्टर दिनेश सावले ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत खंडवा जिले के वरिष्ठ नागरिक अयोध्या की तीर्थ यात्रा के लिए शुक्रवार को खंडवा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रं 6 से रवाना हुए। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सभी तीर्थयात्रियों को लेकर विशेष रेलगाड़ी 2 मार्च को खंडवा वापस आएगी। इस अवसर पर वृद्धजन तीर्थयात्रियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं।

जी राम जी योजना से ग्रामीणों की आय बढ़ेगी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था होगी सुदृढ़

अनोखा तीर, खंडवा। भारत सरकार द्वारा ग्रामीणों के रोजगार अधिकारों को सशक्त बनाने, पारदर्शी मजदूरी भुगतान प्रणाली सुनिश्चित करने तथा पंचायत आधारित योजना के क्रियांवयन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन की गारंटी मिशन ग्रामीण अधिनियम लागू किया गया है। जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि विकसित भारत जी राम जी अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अब ग्रामीणों के लिए 125 दिवस का रोजगार की वैधानिक गारंटी होगी। उन्होंने बताया कि विकसित भारत जी राम जी अधिनियम के तहत दैनिक मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक अथवा अधिकतम 15 दिवस के भीतर किया जाना अनिवार्य है। सभी परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसरंचना स्टैक में एकीकृत किया जाएगा। ग्राम स्तर पर विकसित भारत ग्राम पंचायत योजना के माध्यम से विकेंद्रीकृ त योजना निर्माण किया जाएगा। जिला पंचायत के सीईओ डॉ. नागार्जुन बी. गौड़ा ने बताया कि विकसित भारत जी राम जी अधिनियम के तहत रोजगार सृजन को जिन प्रमुख क्षेत्रों से जोड़ा गया है, उनमें जल सुरक्षा संबंधी कार्य, मूलभूत ग्रामीण अवसंरचना, चक्रवात, बाढ़ जैसे मौसमी घटनाओं से निपटने के लिए विशेष कार्य शामिल है। इस योजना की लागत साझेदारी में सामान्यतः केन्द्र व राज्य सरकार का 60 व 40 का अनुपात रहेगा। विकसित भारत जी राम जी के तहत कराए जाने वाले कार्यों का प्रत्येक 6 माह में सामाजिक अंकेक्षण किया जाना अनिवार्य किया गया है। इस योजना के तहत श्रमिकों की डिजिटल उपस्थिति, आधार पंजीयन आधारित भुगतान व्यवस्था, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निगरानी का प्रावधान है। विकसित भारत जी राम जी अधिनियम 2025 के लागू होने से निश्चित ही ग्रामीणों की आय में वृद्धि होगी तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 2 मार्च को होगी आयोजित

अनोखा तीर, खंडवा। आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों को शांतिपूर्वक एवं सद्भावपूर्ण तरीके से मनाने के उद्देश्य से आगामी 2 मार्च सोमवार को जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने बताया कि यह बैठक कलेक्ट्रेट खंडवा के सभाकक्ष में दोपहर 2 बजे से आयोजित होगी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

किसान कल्याण वर्ष में विशेष

कृषि उत्पादन में लगातार वृद्धि से खुशहाल हुए जिले के किसान

अनोखा तीर, खंडवा। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ साथ प्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के साथ साथ प्रदेश में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिले में कृषि विभाग द्वारा उन्नत कृषि यंत्रों के माध्यम से सोयाबीन, मक्का, गेहूं, चना, चिया सीड, सरसों, कुसुम की फसल के साथ साथ ग्रीष्म कालीन मूंग फसलों के क्षेत्राच्छादन में लगातार वृद्धि हो रही है। इन फसलों के कुल उत्पादन में वृद्धि से किसानों के आर्थिक स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। उप संचालक कृषि नीतेश यादव ने बताया कि जिले में कृषि योग्य भूमि 344046 हेक्टेयर है। जिले में वर्ष 2023-24 में कुल खरीफ का क्षेत्राच्छादन 325505 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 326105 हेक्टेयर हुआ है।

जिले में वर्ष 2023-24 में कुल रबी का क्षेत्राच्छादन 292622 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2025-26 में लगभग 293000 हेक्टेयर में होना संभावित है। मक्का का क्षेत्राच्छादन 30140 हेक्टेयर से बढ़कर लगभग 69635 हेक्टेयर हुआ। उप संचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि जिले में वर्ष 2023-24 में सोयाबीन का क्षेत्राच्छादन 213500 हेक्टेयर से घटकर वर्ष 2025-26 में लगभग 188527 हेक्टेयर में हुआ है। क्योंकि फसल विविधीकरण अंतर्गत सोयाबीन फसल से स्थान पर मक्का फसल का रकबा बढा है। जिले में वर्ष 2023-24 में मक्का फसल का क्षेत्राच्छादन 30140 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2025-26 में लगभग 69635 हेक्टेयर में हुआ है। जिले में वर्ष 2023-24 में गेहूं का क्षेत्राच्छादन 204706 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2025-26 में लगभग 205000 हेक्टेयर में होना संभावित है। जिले में वर्ष 2023-24 में चने का क्षेत्राच्छादन 75676 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2025-26 में लगभग 80000 हेक्टेयर में होना संभावित है। खाद्यान्न उत्पादन 907399 मी. टन से बढ़कर 1157312 मी. टन होने की संभावना जिले में वर्ष 2023-24 में ग्रीष्मकालीन फसलों का क्षेत्राच्छादन 18490 हेक्टेयर से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 33900 हेक्टेयर हो गया है।

जिले में वर्ष 2023-24 में खाद्यान्न उत्पादन 907399 मेट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 1157312 मेट्रिक टन उत्पादन होने की संभावना है। उप संचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि जिले में वर्ष 2003-04 में बीज उत्पादन 3000 क्विंटल से बढ़कर वर्ष 2022 में 350000 क्विंटल हुआ है। जिले में वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर ग्रीष्मकालीन मूंग खरीदी 2542.85 मॅट्रिक टन से बढ़कर वर्ष 2025-26 में 13569.36 मेट्रिक टन हो गई है।

गेहूं और चने के उत्पादन में हुई वृद्धि

जिले में वर्ष 2023-24 में गेहूं एवं चना का कुल उत्पादन क्रमशः 665295 मेट्रिक टन एवं 118055 मेट्रिक टन था जो कि वर्ष 2024-25 में बढ़कर क्रमशः 676800 मेट्रिक टन एवं 125760 मेट्रिक टन हो गया है। वर्ष 2024-25 में जिले में अरहर की किस्म पूसा अरहर-16 का प्रदर्शन विकासखंड पंधाना, खालवा, हरसूद में 45 हेक्टेयर में लिया गया जिसकी अनुमानित उत्पादकता 1400 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रही। पूसा अरहर-16 की यह नवीन किस्म कम अवधि 120 दिवस की है। वर्ष 2025-26 में 1125 बीज मिनीकिट का वितरण किसानों को 225 हेक्टेयर रकबे में किया गया है। कपास के साथ साथ कुसुम और चिया सीड की खेती भी कर रहे हैं जिले के किसान खरीफ 2024 व 2025 में कपास फसल की उच्च घनत्व रोपण प्रणाली तकनीक से लगभग 500 हैक्टयर में बुआई की गई। उप संचालक कृषि श्री यादव ने बताया कि जिले में रबी वर्ष 2023-24 में चिया सीड 350 किसानों द्वारा 150 हेक्टयर में किया गया, रबी वर्ष 2025-26 में 250 हेक्टयर में चिया सीड की खेती कराया जाना प्रस्तावित है। जिले में रबी वर्ष 2023-24 में कुसुम फसल 400 किसानों द्वारा 165 हेक्टयर में किया गया। रबी वर्ष 2025-26 में 225 हेक्टयर में कुसुम की खेती कराया जाना प्रस्तावित है। जिले में रबी वर्ष 2023-24 में सरसों फसल 1750 हेक्टयर में किया गया। रबी वर्ष 2025-26 में 2000 हेक्टयर में सरसों की खेती कराया जाना प्रस्तावित है।

सार-समाचार

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने किया आसरा वृद्धाश्रम का दौरा

अनोखा तीर, माखन नगर। स्थानीय श्री माखनलाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई 01 एवं इकाई 02 द्वारा प्राचार्य डॉ. कविता दुबे के निर्देशन तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र सिंह चौहान एवं डॉ. कविता दुबे के मार्गदर्शन में माखन नगर से 27 किमी. दूर नर्मदा–तवा नदी संगम, बांद्रा बांध स्थित आसरा वृद्धाश्रम का दौरा किया गया। जहां 11 पुरुष तथा 14 महिलाओं से विस्तृत रूप से चर्चा कर

बिस्किट तथा फल वितरित किए। साक्षात्कार अनुसूची द्वारा उनके जीवन वृतांत संबंधी जानकारी ली एवं यथा संभव मदद करने की बात कही। इसके बाद तवा नदी स्थित संगम पर व्यापक रूप से सफाई अभियान चलाकर पॉलिथीन मुक्त एवं गंदगी मुक्त तीर्थ करने का संकल्प लिया गया। इस कार्य में दलनायक स्वास्तिक रावत, दीक्षा अहिरवार के साथ दुर्गा भातरी, प्रिया अहिरवार, निकिता यादव, अर्चना यादव, नंदिनी प्रजापति, शिवम अहिरवार, मंजीत यादव, राजाराम उइके, अमन कीर, मधुसूदन यादव, ऋषि राजोरिया, सूरज उपाध्याय, पवन प्रजापति आदि स्वयंसेवकों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वयंसेवकों ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का यह सबसे पुनीत और अच्छा कार्य होगा। आश्रम वृद्धाश्रम संचालक ने सभी स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया।

मढ़ई में हुआ मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण

अनोखा तीर, सोहागपुर। मप्र ईको टूरिज्म बोर्ड द्वारा सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम के मढ़ई में मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण कार्यक्रम 17 से 26 फरवरी संचालित किया गया। उक्त आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नरसिंहपुर, मुरैना, खंडवा, सीधी, पायंली, गांधीसागर अभ्यारण्य से 16 एवं सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम से 8 कुल 24 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। उक्त मोटर बोट चालन एवं मरम्मत कार्य प्रशिक्षण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट गोवा के मदन मोहन राव

द्वारा दिया गया। मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को वोट चालन, तैराकी एवं प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। मोटर बोट चालन एवं मरम्मत में शामिल समस्त प्रशिक्षणार्थियों को सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की ओर से टी शर्ट, कैप, डायरी, पेन उपहार स्वरूप प्रदान किया गया। मध्यप्रदेश शासन, वनविभाग एवं ईको पर्यटन बोर्ड द्वारा पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण से प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। श्रीमती राखी नंदा क्षेत्रसंचालक स.टा.रि. नर्मदापुरम, राहुल उपाध्याय वनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र अधिकारी कामती, विलास डोंगरे वनक्षेत्रपाल परिक्षेत्र अधिकारी बागडा बफर, मदन मोहन राव प्रशिक्षक एवं वन परिक्षेत्र कामती के स्टॉफ की उपस्थिति में मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण का समापन किया गया। उक्त मोटर बोट चालन एवं मरम्मत प्रशिक्षण में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वाटर स्पोर्ट गोवा की ओर से बोट चालन का लाइसेंस दिया जाएगा।

छात्र-शिक्षक संवाद : जीवन कौशल एवं आशा का निर्माण पर विशेष सत्र का आयोजन

अनोखा तीर, माखन नगर। स्थानीय श्री माखन लाल चतुर्वेदी शासकीय महाविद्यालय में 27 फरवरी को विद्यार्थियों में जीवन कौशल विकसित करने और सकारात्मक दृष्टिकोण (आशा) के संचार पर संवाद का आयोजन महाविद्यालय प्राचार्य के कुशल मार्गदर्शन एवं एनटीएफ समन्वयक डॉ. आईएस कनेश के निर्देशन में हुआ। संवाद का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन और निर्णय लेने की क्षमता के प्रति जागरूक करना। विपरीत परिस्थितियों में आशा और सकारात्मकता बनाए रखने के तरीके साझा करना। छात्रों और शिक्षकों के बीच संवाद के माध्यम से झिझक को दूर करना, संवाद के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं

पर चर्चा की गई। जीवन कौशल का महत्व शिक्षकों ने बताया कि डब्लूएचओ द्वारा निर्धारित कौशल जैसे समानुभूति, आलोचनात्मक सोच और प्रभावी संचार जीवन की वास्तविक परीक्षाओं में सफलता दिलाते हैं। आशा का निर्माण संवाद का सबसे प्रेरक हिस्सा आशा पर केंद्रित था। शिक्षकों ने साझा किया कि आशा कोई काल्पनिक विचार नहीं है, बल्कि एक मानसिक शक्ति है। विफलता को अंत न मानकर उसे सीखने का एक अवसर मानना। छात्रों ने शैक्षणिक दबाव और भविष्य की चिंताओं को लेकर प्रश्न पूछे। एक छात्र के असफलता के डर को कैसे जीतें? प्रश्न पर, प्रभारी प्राचार्य डॉ. आईएस कनेश ने उत्तर दिया कि डर केवल अज्ञात का होता है तैयारी और सकारात्मकता इसे समाप्त कर देती है। इस संवाद से यह निष्कर्ष निकला कि जीवन कौशल केवल सीखने की चीज़ नहीं बल्कि अभ्यास करने की चीज़ है। आशावादी सोच व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करती है और उसे कठिन समय में भी अडिग रखती है। आशा वह शक्ति है जो हमें उस समय भी मुस्कुराने की अनुमति देती है, जब हमें लगता है कि सब कुछ समाप्त हो गया है। संवाद में महाविद्यालय के शैक्षणिक स्टाफ डॉ. मनीष शर्मा, डॉ. क्षमा मेहरा, डॉ. आकांक्षा यादव, श्रीमती सुषमा यादव, पंकज बैरवा, शिवानी मालवीय एवं क्रीड़ा अधिकारी डॉ. राजकुमार पटवा और अधिक मात्रा में विद्यार्थी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों के मनोबल को मजबूत करने के लिए 12वीं फेल पिक्चर के सारांश दिखाया गया।

आज 2 घंटे बंद रहेगी बिजली

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। विद्युत वितरण केंद्र सेमरी हरचंद अंतर्गत 33 केव्ही फीडर पर मेंटेनेंस कार्य के कारण आज 2 घंटे विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस अंतर्गत हुई विभिन्न प्रतियोगिताएं

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। स्थानीय शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम आयोजित। बताया गया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं रंगोली, निबंध, प्रदर्शनी एवं प्रश्नोत्तरी का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। छात्राओं ने सभी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कामिनी जैन ने बताया कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का उद्देश्य छात्राओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करना, नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा विज्ञान व प्रौद्योगिकी के महत्व के प्रति समाज को जागरूक करना है। रंगोली प्रतियोगिता पर्यावरण संरक्षण विषय पर हुई जिसमें पूनम मेहरा प्रथम, जयंती मेहरा एवं माही साहू द्वितीय और तृतीय स्थान पर मुस्कान कुशवाहा रही। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता दैनिक जीवन में विज्ञान विषय पर आयोजित की गई। जिसमें प्रथम स्थान पर पूजा विश्वकर्मा टीम, द्वितीय स्थान पर माया राठौर टीम एवं तृतीय स्थान पर योगिता वेलवंशी टीम रही। कार्यक्रम में राष्ट्रीय विज्ञान समिति के सदस्य डॉ. हर्षा चचाने, डॉ. आरके चौकीकर, डॉ. रागिनी सिकरवार, काजल बाथरे, डॉ. मनीषा तिवारी, डॉ. विजया देवास्कर, श्रीमती नीलम चौधरी, रैनी राजपूत, देवेंद्र सैनी, शुभम भद्रे, डॉ. रफीक अली एवं डॉ. कीर्ति दीक्षित उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा का सफल आयोजन– महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना की 'बी' प्रमाण पत्र परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की गई। परीक्षा में लिखित एवं मौखिक दोनों प्रकार की मूल्यांकन प्रक्रिया अपनाई गई। जिसमें स्वयंसेविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा संचालन में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हर्षा चचाने और पूजा गोस्वामी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इस अवसर पर बाह्य परीक्षक के रूप में डोलरिया के शासकीय महाविद्यालय से राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विनोद राय उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. कामिनी जैन ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्रसेवा की भावना को सुदृढ़ करता है।

नर्मदापुरम में संतों की नर्मदा परिक्रमा यात्राओं का भव्य स्वागत

-बांद्राभान में दादा गुरु की अगवानी, सेठानी घाट पर सतगुरु भैया जी सरकार का अभिनंदन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम।

नर्मदापुरम में इन दिनों नर्मदा परिक्रमा यात्राओं को लेकर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है। एक ओर बांद्राभान स्थित दिवस बसेरा में अखंड निराहारी संत दादा गुरु का आगमन हुआ, वहीं दूसरी ओर सतगुरु भैया जी सरकार की नर्मदा परिक्रमा यात्रा भी नगर पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने दोनों संतों का भव्य स्वागत किया। मां नर्मदा तट स्थित बांद्राभान के दिवस बसेरा परिसर में अखंड निराहारी संत दादा गुरु की परिक्रमा यात्रा पहुंची। नगर पालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव सहित हजारों श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे और पुष्पवर्षा के साथ संत एवं परिक्रमावासियों की अगवानी की। दिवस बसेरा में संत दादा गुरु की आरती उतारी गई और परिक्रमावासियों के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।

दो घंटे विश्राम के बाद दादा गुरु नगर भ्रमण करते हुए साहू धर्मशाला स्थित दादा कुटी पहुंचे। इस अवसर पर दादा गुरु ने परिसर में मंत्रोच्चार के साथ पीपल, नीम और वटवृक्ष का त्रिवेणी स्वरूप पौधरोपण किया। बड़ी संख्या में साधु-संत और श्रद्धालु उपस्थित रहे। सेठानी घाट पर सतगुरु भैया जी सरकार का स्वागत सतगुरु भैया जी सरकार की नर्मदा पक्रिमा यात्रा के नगर में प्रवेश करते ही

श्रद्धालुओं ने डीजे की धुनों के बीच पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। यात्रा जब सेठानी घाट पहुंची तो वहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मां नर्मदा के जयघोष और भजन-कीर्तन से पूरा घाट गूंज उठा। साधु-संतों एवं अनुयायियों ने विधिवत पूजन-अर्चन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। बताया जा रहा है कि सतगुरु भैया जी सरकार परिक्रमा के दौरान अन्य खाद्य पदार्थों का त्याग कर केवल जल और फलाहार ग्रहण करते हुए निरंतर मां नर्मदा की परिक्रमा कर रहे हैं। यह यात्रा तप, त्याग और आस्था का प्रतीक मानी जा रही है। इस दौरान स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या मौजूद रही। प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात की समुचित व्यवस्था की गई थी। परिक्रमा यात्राओं के आगमन से नर्मदापुरम का धार्मिक वातावरण और अधिक आध्यात्मिक रंग में रंग गया।

भारतीय किसान संघ का पीपल चौक पर धरना-प्रदर्शन

- मुख्यमंत्री, कमिश्नर व सिटी मजिस्ट्रेट के नाम ज्ञापन

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसानों ने पीपल चौक पर धरना-प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से किसानों की समस्याएं लंबित हैं और उनका समाधान नहीं हो रहा है। किसानों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री, संभागायुक्त तथा सिटी मजिस्ट्रेट जय सोलंकी के नाम ज्ञापन सौंपकर अपनी प्रमुख मांगें रखीं। जिसमें किसानों की प्रमुख मांगे थी कि - फसलों का लाभकारी एवं उचित समर्थन मूल्य घोषित किया जाए। चुनाव के समय प्रदेश सरकार द्वारा किया गया वादा पूरा किया जाए, जिसमें गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल और धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर खरीदने की बात कही गई थी। खाद और बीज की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सिंचाई व्यवस्था में सुधार कर पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में अघोषित बिजली कटौती बंद कर नियमित विद्युत आपूर्ति दी जाए। फसल बीमा दावों का शीघ्र एवं पारदर्शी भुगतान किया जाए। किसानों पर दर्ज प्रकरणों की समीक्षा कर अनावश्यक कार्रवाई रोकी जाए। धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि चुनावी वादों को पूरा करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि 20 दिनों के भीतर मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो 21वें दिन उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। किसानों ने ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट जय सोलंकी के माध्यम से प्रशासन को सौंपा। प्रदर्शन में संघ के जिला अध्यक्ष, ब्लॉक पदाधिकारी एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए किसान बड़ी संख्या में मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से ज्ञापन प्राप्त कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया गया, लेकिन किसान संघ ने स्पष्ट किया कि समयसीमा में समाधान नहीं होने पर जिला स्तर पर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

एडिप योजना के तहत उपकरण वितरित

अधिकारियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

अनोखा तीर, नर्मदापुरम। स्थानीय जिला प्रशासन सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग तथा संयुक्त क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में जिला पंचायत परिसर में दिव्यांगजनों के लिए जन-जागरूकता एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम कलेक्टर सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ सलाहकार (दिव्यांगता) सीबीएम इंडिया से जुड़े डॉ. टीडी धरियाल, आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी, कलेक्टर सोनिया मीना तथा अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र, भोपाल के विषय विशेषज्ञों ने महिला एवं बाल विकास, पंचायत, स्वास्थ्य, शिक्षा, केंद्रीय जिला जेल तथा सामाजिक न्याय विभाग से जुड़े शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के अधिकारियों-कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की दिव्यांगताओं की शीघ्र पहचान, शीघ्र हस्तक्षेप एवं जांच संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व चयनित दिव्यांगजनों को भारत सरकार की एडिप योजना अंतर्गत आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए। साथ ही जिला चिकित्सकीय मंडल द्वारा दिव्यांग बच्चों की त्वरित जांच कर दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं विशिष्ट दिव्यांग पहचान पत्र जारी किए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने बताया कि शिविर में दिव्यांगजनों की जांच कर प्रमाण पत्र बनाए गए तथा पात्र हितग्राहियों को उनकी आवश्यकता अनुसार उपकरण उपलब्ध कराए गए। कुछ हितग्राहियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से विद्युत साइकिल भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में पहुंचे दिव्यांगजनों के लिए भोजन, पेयजल एवं छांव में बैठने की समुचित व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में डॉ. अजय खेमरिया आयुक्त, दिव्यांगजन मध्यप्रदेश शासन, डॉ. नरेन्द्र कुमार निदेशक, संयुक्त क्षेत्रीय पुनर्वास केंद्र भोपाल, शशीभूषण निदेशक, भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन, विकास दुबे उप जिला अधिकारी, बबिता राठौर, डीएस दांगी मुख्य कार्यकारी अधिकारी, लॉयंस क्लब, महिला एवं बाल विकास अधिकारी दीपक डहेरिया, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गहलोत तथा जिला पर्यटन प्रबंधक मनोज सिंह ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आरती शर्मा, खंड समन्वयक खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा सुव्यवस्थित रूप से किया।

रास्ते को लेकर विवाद दोनों पक्षों थाने में कराई रिपोर्ट

अनोखा तीर, सेमरी हरचंद। दो पक्षों में रास्ते को लेकर विवाद हो गया। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार आशा सोनी पति राधेश्याम सोनी निवासी पीपल चौक के पास सेमरी हरचंद द्वारा इस आशय की प्राथमिकी अरविंद मीणा एवं लता मीणा दोनों निवासी पीपल चौक सेमरी हरचंद के खिलाफ दर्ज कराई कि फरियादी एवं आरोपी के घर के बीच 5 फीट का रास्ता है। जिसका अभी केश सोहागपुर कोर्ट में चल रहा है। जिसे आरोपीगण ईंट–पत्थर डालकर बंद कर रहे थे, फरियादी द्वारा कहा गया कि रास्ता क्यों बंद कर रहे हो अभी केस चल रहा है, फैसला नहीं आया है। इसी बात को लेकर आरोपी गणों द्वारा मारपीट की गई। वहीं काउंटर प्रकरण में प्रकरण में लता मीणा पति अरविंद मीना की रिपोर्ट पर आशा सोनी एवं राधेश्याम सोनी के खिलाफ भी उक्त के संबंध में मारपीट एवं अन्य धाराओं का काउंटर प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

चोरी की मोटरसाइकल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। शिवपुर थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की मोटर साइकल बरामद की है और आरोपी को गिरफ्तार किया है।

फरियादी राजेंद्र यदुवंशी ने शिवपुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पलसर मोटरसाइकल एमपी 12 जेडए 6625, 23 फरवरी की दरम्यानी रात घर के आंगन से चोरी हो गई थी। रिपोर्ट के बाद शिवपुरी पुलिस ने मोटर साइकिल की तलाश शुरू कर दी। थाना प्रभारी विवेक यादव ने बताया कि सूचना तंत्र एवं मुखबिरों को सक्रिय किया गया और आसपास क्षेत्र में पूछताछ शुरू की गई। पुलिस को जानकारी लगी कि 27 फरवरी को बिसोनी कला बस स्टेंड के पास एक व्यक्ति चोरी की गई मोटर साइकल से मिलती जुलती मोटर साइकल लेकर घूमता पाया गया। पुलिस ने पूछताछ में आरोपी आनंद उइके पिता मुकेश उइके निवासी नंदरवाड़ा थाना सिवनी मालवा को गिरफ्तार किया। साथ ही चोरी की मोटरसाइकल कीमत लगभग 90 हजार रुपए की जप्त की। पुलिस द्वार बताया गया कि आगे की कार्रवाई कर आरोपी को न्यायलय में पेश किया जाएगा। साथ ही आगे की जांच की जा रही है।

कोटरा अंडरब्रिज में जलभराव बना मुसीबत

- स्कूल जाने वाले बच्चों और ग्रामीणों की बढ़ी परेशानी

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। क्षेत्र के ग्राम कोटरा में स्थित अंडरब्रिज इन दिनों ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या का कारण बना हुआ है। अंडरब्रिज में करीब चार फीट तक पानी भर जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे खासकर स्कूली बच्चों और दैनिक यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। बताया गया कि अंडरब्रिज में लंबे समय से जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जिसके कारण लोगों को वैकल्पिक और लंबा रास्ता अपनाना पड़ रहा है। यह मार्ग गांव के सैकड़ों लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है, लेकिन पानी भर जाने से यहां से निकलना जोखिम भरा हो गया है।

परीक्षा के दौरान बच्चों को हो रही विशेष परेशानी– इन दिनों छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं चल रही हैं, ऐसे में अंडरब्रिज में भरे पानी के कारण कई बच्चे समय पर स्कूल नहीं पहुंच पा रहे हैं। परिजन बड़ी कठिनाई और जोखिम उठाकर बच्चों को स्कूल तक पहुंचा रहे हैं, जिससे उनकी चिंता और परेशानी दोनों बढ़ गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने जलभराव की समस्या को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। लगातार जलभराव के कारण न केवल आवाजाही प्रभावित हो रही है बल्कि दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अंडरब्रिज में शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था करने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

ग्राम उसकल्ली में शिव महापुराण का भव्य आयोजित

अनोखा तीर, सिवनी मालवा। ग्राम उसकल्ली में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्म का सुंदर संगम देखने को मिला। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु

उपस्थित हुए और भगवान शिव की महिमा का रसपान किया। पार्षद प्रतिनिधि युवा नता दीपक दीक्षित ने कथा में शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित किया। कथा वाचक पं. रमाकांत व्यास ने शिव महापुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन करते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

समाज संगठनों ने एसपी-कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

शराबखोरी व अवैध शराब पर सख्त कार्रवाई की मांग

अनोखा तीर, बैतूल। जिले के भीमपुर ब्लॉक के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शराबखोरी, अवैध मदिरा निर्माण-विक्रय तथा सार्वजनिक स्थलों पर खुलेआम शराब सेवन की बेलगाम प्रवृत्ति ने कानून-व्यवस्था की स्थिति को गंभीर संकट में डाल दिया है। इस समस्या से त्रस्त सर्व गोंड, गवली, कुनबी, कोरकू एवं मेहरा समाज संगठनों ने एकजुट होकर कड़ा रुख अपनाया है। समाजों के पदाधिकारियों ने पुलिस अधीक्षक बैतूल एवं कलेक्टर बैतूल को संयुक्त ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल कठोर कार्रवाई की जोरदार मांग की है। ग्रामीण इलाकों में शराब ठेकेदारों द्वारा गांव-गांव जाकर खुलेआम बिक्री करना न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि सामाजिक शांति के लिए घातक साबित हो रहा है। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि शराब के नशे में धुत लोग मारपीट, उपद्रव, गाली-गलौज, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार, घरेलू हिंसा तथा सामाजिक-धार्मिक एवं मांगलिक आयोजनों में हुड़दंग मचा रहे हैं। इन घटनाओं में लगातार वृद्धि से महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर संकट मंडरा रहा है, जिससे पूरे समाज में भय का वातावरण व्याप्त हो गया है। समाज संगठनों ने अवैध शराब के निर्माण,

भंडारण, परिवहन एवं विक्रय को जिले में फैल रही गंभीर महामारी करार देते हुए इसे सामाजिक बुराई के साथ-साथ कानूनी अपराध बताया है। ज्ञापन में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के प्रावधानों का हवाला देते हुए दोषियों पर सख्ततम कार्रवाई की मांग की गई है। पदाधिकारियों ने विशेष रूप से आदतन शराबियों के खिलाफ निवारक कार्रवाई, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त में वृद्धि तथा विवाह, धार्मिक एवं मांगलिक आयोजनों में शराब सेवन पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज प्रतिनिधियों ने चेतावनी जारी की कि यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो वे उच्च प्रशासनिक अधिकारियों, विधायकों एवं वैधानिक मंचों का रुख करेंगे तथा आंदोलन की राह अपनाने को बाध्य होंगे। इस अवसर पर प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें भूरा यादव, मुन्ना मानकर, संतुलाल सूर्यवंशी, संदीप धुर्वे, चैतराम कासदे, राकेश गंगारे, शिव गंगारे, गोपाल बिहारे एवं चंद्रभान बडौदे शामिल थे। समाज संगठनों का यह कदम बैतूल जिले में शराबबंदी की दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है, जिसका व्यापक सामाजिक समर्थन मिलने की संभावना है। प्रशासन से उम्मीद की जा रही है कि वह इस मांग पर त्वरित ध्यान देगा।

विशाल निशान यात्रा में श्याम भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

अनोखा तीर, खातेगांव। फागुन माह में भक्तों को फाग उत्सव का अद्भुत आलोकित आनंद मिलता है। लाखों श्रद्धालु बाबा खाटू श्याम के दर्शन पूजन को पहुंचते हैं। इसी श्रृंखला में खातेगांव नरेश बाबा खाटू श्याम के मंदिर में 27 फरवरी को आस्था, श्रद्धा, भक्ति का जनसैलाब दिखाई दिया। श्याम भक्त श्रद्धालुगण 27 फरवरी एकादशी के पावन अवसर पर खातेगांव गणेश मंदिर से निकलने वाली विशाल निशान यात्रा में दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचे। गणेश मंदिर से घोड़ा-बग्गी में बाबा खाटू श्याम विराजे हुए थे, बैंड-बजे के साथ हाथों में शाम ध्वज लिए श्याम भक्तों का काफिला नगर के प्रमुख मार्गों से निकला। जहां बड़ी संख्या में विभिन्न स्थानों पर यात्रा का स्वागत सम्मान किया गया। श्याम भक्त वर्ष भर फागुन माह की इस एकादशी का इंतजार करते हैं। जिस प्रकार श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी करें खाटू श्याम में दिखाई दे रही हैं, उसी प्रकार क्षेत्र के श्रद्धालु खातेगांव नरेश के दरबार में पहुंचते हैं। 27 फरवरी को शाम 07 बजे बाबा खाटू नरेश की महाआरती में बाबा को 56 भोग की महाप्रसादी एवं 551 किलो फलिहारी खिचड़ी की महाप्रसादी का भोग लगाया जाएगा। यह भोग बाबा के भक्तों को वितरित हुआ।

सार-समाचार

शाहपुर क्षेत्र से युवती के गायब होने पर परिजन चिंतित, अपहरण की जताई आशंका

अनोखा तीर, बैतूल। शाहपुर तहसील अंतर्गत मोतीढाना क्षेत्र से एक 23 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में युवती की मां ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन सौंपकर पुत्री की शीघ्र तलाश की मांग की है। आवेदन के अनुसार आवेदिका ज्ञानलता दास ने बताया कि उनकी 23 वर्षीय पुत्री विगत 22 दिसंबर को सुबह लगभग 11 बजे से दोपहर 1 बजे के बीच घर से बिना बताए कहीं चली गई, जिसके बाद से वह वापस नहीं लौटी है। परिजनों द्वारा अपने स्तर पर तलाश किए जाने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। ज्ञानलता दास ने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि उन्हें आशंका है कि उनकी पुत्री किसी युवक के संपर्क में थी और संभवत: उसी के साथ गई हो सकती है। हालांकि इस संबंध में पुलिस द्वारा किसी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। परिजनों ने युवती की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए मामले की गंभीरता से जांच किए जाने का अनुरोध किया है। आवेदिका के अनुसार इस संबंध में थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है। आवेदिका का कहना है कि पति के निधन के बाद वह अकेले परिवार का दायित्व संभाल रही हैं और घटना के बाद से मानसिक रूप से व्यथित हैं। आवेदिका ने एसपी से मामले में शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने निवेदन किया है कि उनकी लापता पुत्री की तलाश के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

फाल्गुन एकादशी पर निकली निशान यात्रा

1101 श्याम भक्त केसरिया ध्वज लेकर हुए शामिल

अनोखा तीर, देवास। निशान यात्रा का आयोजन फाल्गुन शुक्ल एकादशी के अवसर पर शुक्रवार को किया गया। यह यात्रा एमजी रोड स्थित खेड़ापति मंदिर से शुरू होकर अमृत नगर स्थित खाटू श्याम मंदिर तक पहुंची। इसमें 1101 श्याम भक्त शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने केसरिया, नारंगी और लाल रंग के ध्वज हाथों में ले रखे थे। यात्रा मार्ग पर भक्त श्याम भजनों पर झूमते और जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। एकादशी के पावन अवसर पर बाबा श्याम का विशेष श्रृंगार किया गया। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु श्याम प्रभु के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचने लगे थे। मंदिर परिसर में पवित्र जोत प्रज्वलित करने और छप्पन भोग अर्पित करने सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। खाटू श्याम धाम मंदिर के संस्थापक श्याम शर्मा ने

बताया कि यह खाटू श्याम बाबा की 17वीं विशाल निशान यात्रा थी। उन्होंने जानकारी दी कि पिछले 17 वर्षों से हर साल फाल्गुन माह की एकादशी पर यह यात्रा खेड़ापति मंदिर से खाटू श्याम धाम मंदिर, अमृत नगर तक निकाली जाती है। शर्मा ने बताया कि 1101 श्याम प्रेमियों ने बाबा श्याम के जयकारे लगाते हुए मंदिर में निशान चढ़ाए। एकादशी का यह पर्व श्याम भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है, क्योंकि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी दिन महाभारत काल में बाबा श्याम ने भगवान श्रीकृष्ण को अपने शीश का दान दिया था।

श्री शनि देव सत्यनारायण मंदिर में धूमधाम से मना फाग उत्सव

अनोखा तीर, देवास। शहर के मीरा बावड़ी स्थित श्री शनि देव सत्यनारायण मंदिर में शुक्रवार को रंग भरी आमलकी एकादशी के पावन अवसर पर शनि महिला भजन मंडली द्वारा श्रद्धा और उल्लास के साथ फाग उत्सव मनाया गया। मंदिर परिसर भक्ति, संगीत और रंगों की छटा से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान गणेश, माताजी, भोलेनाथ एवं गोपाल कृष्ण के मधुर भजनों से की गई। महिला मंडली की बहनों ने सुमधुर स्वर में भक्ति गीत प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे परिसर में रंग बरसे और होली खेले रघुवीरा जैसे पारंपरिक फाग भजनों की गूंज सुनाई दी। भजन संध्या के पश्चात गोपाल कृष्ण और राधा रानी के प्रतीक स्वरूप पुष्प, गुलाल एवं रंगों के साथ फाग उत्सव खेला गया। उपस्थित बहनों ने उत्साहपूर्वक नृत्य किया और एक-दूसरे को रंग लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। मंदिर परिसर रंगों और फूलों की वर्षा से पूरी तरह सराबोर दिखाई दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही। उत्सव के अंत में सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर आपसी सौहार्द का संदेश दिया। मंडल प्रमुख श्रीमती वीणा कानूनगो ने दी।

मृत गोवंश के अवशेष मिलने पर कांग्रेस का मौन धरना

महापौर से इस्तीफे की मांग

अनोखा तीर, देवास।

शंकरगढ़ के पास नगर निगम के ट्रेंचिंग ग्राउंड में मृत गोवंश के बिखरे पड़े अवशेष मिलने के विरोध में शुक्रवार को शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम के नेतृत्व में मौन धरना दिया गया। इस अवसर पर विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी ने कहा कि सनातन धर्म में गाय को माता का दर्जा दिया गया है।

देवास से लेकर दिल्ली तक सरकार होने के बावजूद ट्रेंचिंग ग्राउंड पर मृत गोवंश की खाल निकालकर बेचे जाने और हड्डियां बेचे जाने जैसी घृणित घटना सामने आई है। इसके बावजूद महापौर गीता अग्रवाल ने अब तक कोई बयान नहीं दिया है। हालांकि निगम आयुक्त ने दोषी अधिकारी और कर्मचारी को निलंबित कर दिया है, लेकिन विधायक और सांसद ने भी इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इतनी गंभीर घटना पर जनप्रतिनिधियों का मौन रहना समझ से परे है। उन्होंने मांग की कि महापौर गीता अग्रवाल शीघ्र माफी मांगें और अपने पद से इस्तीफा दें। साथ ही जिला प्रशासन इस मामले में संज्ञान लेकर भविष्य में ऐसी अमानवीय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि एक वीडियो में महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल यह कहते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने आयुक्त को आदेश दे दिए हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें ऐसा कौन सा अधिकार प्राप्त है, जिसके तहत वे आयुक्त को आदेश दे रहे हैं। नगर निगम नियमों के विपरीत कार्य कर रही है। गाय हमारी माता है का नारा देने वाले भारतीय जनता पार्टी के लोग उसकी सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। उन्होंने नगर निगम से भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। धरने में प्रमुख रूप से कांग्रेस नेता भगवान सिंह चावड़ा, शौकत हुसैन, सुधीर शर्मा, गुरुचरण सिंह सलूजा, रोशन रायकवार, जाहिद पठान, नजर शेख, नरेंद्र यादव, जितेंद्र सिंह गौड़, विशाल भाटिया, ईश्वर हरोड़े, विशाल भाटिया, दीपेश हरोड़े, कैलाश वर्मा, नयन पटेल, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आभार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष रूपेश कल्याणे ने व्यक्त किया।

कम उम्र में सैय्यद अबुजर अली ने जीते कई पदक

अनोखा तीर, देवास। शहर के नन्हें कराटे खिलाड़ी सैय्यद अबुजर अली ने बेहद कम उम्र में अपनी प्रतिभा और मेहनत से खेल जगत में अलग पहचान बना ली है। मात्र 4 वर्ष की आयु में उन्होंने 21वीं मध्यप्रदेश राज्य रेनबुकान कराटे चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। अबुजर ने अपने कराटे जीवन की शुरुआत जिला स्तरीय प्रतियोगिता से की थी, जहां उन्होंने पहला पदक जीतकर अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन किया।

देवास कलेक्टर ने सतवास किटी रेस्टहाउस में ली राजस्व समीक्षा बैठक

अनोखा तीर, सतवास।

जिला स्तरीय राजस्व समीक्षा बैठक शुक्रवार को सतवास स्थित नर्मदा किनारे किटी फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह ने की। इस दौरान देवास जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े राजस्व प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक कई घंटों तक चली, जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों के विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य स्थानीय समस्याओं से सीधे रूबरू होना तथा क्षेत्रीय प्रबंधन को और अधिक प्रभावी बनाना है। नामांतरण, बंटवारा, लंबित राजस्व प्रकरणों तथा शासन के विभिन्न राजस्व कार्यक्रमों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। विशेष रूप से संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत लंबित मामलों के त्वरित निराकरण पर जोर दिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन से जुड़े प्रकरणों का समयसीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि ग्रामीणों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में राजस्व व्यवस्था को पारदर्शी और जवाबदेह बनाने पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि राजस्व कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक अधिकारी को अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी होगी। जिन प्रकरणों में अनावश्यक विलंब हो रहा है, उनकी अलग से समीक्षा कर आवश्यक कार्यवाही किए जाने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान फतेहगढ़ घाट क्षेत्र में रेत से संबंधित गतिविधियों को लेकर पत्रकारों से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि रेत से जुड़ी अवैध गतिविधियों पर प्रशासन की कड़ी नजर है और इस संबंध में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में देवास नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार, जिले के तहसीलदार, एसडीएम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान के लिए समन्वित प्रयासों पर सहमति जताई। बैठक के उपरांत कलेक्टर ने किटी घाट क्षेत्र का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने किटी घाट पर बोट सवारी का आनंद भी लिया तथा स्थानीय पर्यटन संभावनाओं पर चर्चा की।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका की अनंतिम मेरिट सूची जारी

अनोखा तीर, हरदा। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार जिला हरदा अंतर्गत महिला एवं बाल विकास परियोजना खिरकिया में 2 आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं 20 आंगनवाड़ी सहायिका के पूर्ण अस्थायी एवं मानसेवी रिक्त पदों की पूर्ति हेतु अनंतिम मेरिट सूची जारी की गई है। परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास खिरकिया ने बताया कि अनुविभागीय अधिकारी खिरकिया की अध्यक्षता में खण्ड स्तरीय चयन समिति की बैठक में प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरान्त आवेदिकाओं को अनंतिम रूप से चयनित किया गया है। उन्होने बताया कि प्रियंका ओमप्रकाश को आंगनवाड़ी केन्द्र भटपुरा में कार्यकर्ता, श्रीमती शीतल राजेश पटनारे को भटपुरा में सहायिका, मंजू गंगाधर को धूपकरण में कार्यकर्ता, वर्षा सुरेश सावनेर को कुड़ावा-2 में सहायिका, श्रीमती तारा सत्यनारायण को जामुखो में सहायिका, वंदना देवीसिंह को मुंडासेल में सहायिका, श्रीमती नैना करण सिंह को कुकड़ापानी-1 में सहायिका, पायल रामकृष्ण सोनी को दीपगांवकला-2 में सहायिका, श्रीमती रोशनी रविन्द्र को लोध्याखेड़ी में सहायिका, सावित्री जयनारायण को खुदिया-2 में सहायिका, श्रीमती कविता अजय उइके को भंवरदीमाल में सहायिका, दुर्गा रामचन्द्र तोमर को प्रतापपुरा में सहायिका, श्रीमती संगीता रामभरोस को रामटेक रैयत में-2 में सहायिका, श्रीमती ज्योति जितेश कोगे को जिनवानिया-2 में सहायिका, पूजा कहार को भिरंगी टोला में सहायिका, श्रीमती अंजू जयनारायण को पीरबाबा में सहायिका तथा श्रीमती पदमा मनीष को चौकी में सहायिका के पद के लिये अनंतिम रूप से चयन किया गया है। परियोजना अधिकारी खिरकिया ने बताया कि ग्राम आरया, द्रगपालपुर, हीरापुर, बासीगढ़ व भंवरपानी के आंगनवाड़ी केन्द्र हेतु आवेदन प्राप्त नहीं हुए। उन्होने बताया कि यह चयन सूची अनंतिम है। अनंतिम मेरिट सूची के संबंध में यदि किसी अभ्यर्थी को तथ्य एवं प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह अपने दावे, व्यक्ति को दावा, निर्धारित समयावधि में एमपी ऑनलाइन चयन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त दावे आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। दावे आपत्तियों के निराकरण के बाद अंतिम चयन सूची पृथक से जारी की जाएगी।

गेहूं के पंजीयन 7 मार्च तक होंगे

अनोखा तीर, हरदा। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार रबी विपणन 2026-27 के लिए गेहूं का पंजीयन 7 मार्च 2026 तक किया जाएगा। जिला आपूर्ति अधिकारी हरदा ने जिले के सभी किसानों से 7 मार्च के पूर्व गेहूं पंजीयन कराने का अनुरोध किया है। उन्होने बताया कि विभाग से प्राप्त निर्देशानुसार सिकमी/बटाईदार एवं वन पट्टाधिकारी के अनुबंध 2 फरवरी 2026 के पूर्व का होने पर ही पंजीयन हेतु मान्य होंगे एवं अनुबंध पर भू स्वामी और बटाईदार के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है। सिकमी पंजीयन हेतु उचित मूल्य का स्टाम्प होना अनिवार्य है। जिला आपूर्ति अधिकारी हरदा ने किसानों से अनुरोध किया है कि सिकमी/बटाईदार एवं वन पट्टाधिकारी पंजीयन के समय 2 फरवरी 2026 से पूर्व के ही भूमि के अनुबंध प्रस्तुत करें ताकि सुगमता से पंजीयन किया जा सके।

मार्च में होली छोड़कर बाकी सभी छुट्टियों में खुले रहेंगे पंजीयन कार्यालय

अनोखा तीर, हरदा। आम जनता को दस्तावेजों के पंजीयन कार्य में अधिक सुविधा देने और सरकारी राजस्व को ध्यान में रखते हुए, मध्य प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक, मध्य प्रदेश कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, मार्च 2026 के महीने में होली के अवकाश को छोड़कर शनिवार व रविवार सहित सभी सार्वजनिक अवकाश दिवसों पर पंजीयन कार्यालय खुले रहेंगे। आदेश के पालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रीय उप महानिरीक्षक पंजीयन को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी पंजीयन कार्यालयों को खुला रखें।

अग्रवाल समाज का नि:शुल्क अभा परिचय सम्मेलन

सम्मेलन के लिए देशभर से आई छ सौ प्रविष्ठियां, तैयारियां जारी

अनोखा तीर, खातेगांव। ब्रह्मलीन समाजसेवी मिश्रीलाल गोयल की पुण्य स्मृति में 28 से 30 मार्च तक गांधी हॉल परिसर इंदौर में होने वाले 33वां निशुल्क अभा युवक-युवती परिचय सम्मेलन के लिए देश के हिंदी भाषी राज्यों से प्रत्याशियों की प्रविष्ठियां आने का सिलसिला शुरू हो गया है। बताया गया कि अब तक करीब 600 प्रविष्ठियां मिल चुकी हैं, जिनमें अधिकांश इंजीनियर, डॉक्टर, सीए, एमसीए, एमबीए, सॉफ्टवेर इंजीनियर एवं स्वयं के कारोबार में स्थापित प्रत्याशी शामिल हैं। जानकारी देते हुए अग्रवाल समाज के समाजसेवी सुनील अग्रवाल पत्रकार एवं अग्रवाल समाज खातेगांव के अध्यक्ष संजय ऐरन पानीगांव वाले ने बताया कि अग्रवाल महासभा की मेजबानी में होने वाले इस परिचय सम्मलेन में पिछले 2 वर्षों से लगातार 2 हजार से अधिक प्रविष्ठियां मिल रही हैं। इस वर्ष भी देश के करीब 100 बड़े शहरों में प्रविष्ठी पत्र भेजे गए हैं, जो अब प्रत्याशियों और पालकों के उत्साह के कारण तेजी से जमा होने लगे हैं। महासभा के समन्वयक संतोष गोयल, अध्यक्ष डॉ. सतीश गोयल, उपाध्यक्ष मनीष जैन एवं महामंत्री अजय बंसल ने बताया कि अब तक जो 300 प्रविष्ठियां प्राप्त हुई हैं, उनमें अधिकांश प्रत्याशी उच्च शिक्षित, आकर्षक पैकेज पर एमएनसी में कार्यरत अथवा स्वयं के कारोबार में स्थापित हैं। उम्मीद है कि इस परिचय सम्मेलन के लिए भी 2 हजार से अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त होंगी। सम्मेलन में आने वाले प्रत्याशियों के सचित्र परिचय बहुरंगी परिचय पुस्तिका में प्रकाशन की तैयारियां भी शुरू हो गई है। आयोजन समिति की नियमित बैठकों का सिलसिला भी यशवंत निवास रोड स्थित महासभा के कार्यालय पर चल रहा है। मातृशक्ति संगठन की बैठक में श्रीमती उर्मिला गोयल, संतोष सिंघल एवं श्रीमती इंदु अग्रवाल सहित अनेक महिलाओं ने सम्मेलन की व्यवस्थाओं पर विचार मंथन किया। वहीं आयोजन से जुड़े कार्यक्रम संयोजक एलबी अग्रवाल, नवीन गोयल, श्याम गोयल, राजकुमार गोयल, श्याम अग्रवाल, कवि विनोद अग्रवाल, महेश चायवाले, रमेश तायल ने विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया। यह निर्णय भी लिया गया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी बाहर से आने वाले पालकों एवं प्रत्याशियों के लिए रियायती दर पर स्वल्पाहार, भोजन एवं चाय आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। सुनील अग्रवाल, संजय ऐरन ने समस्त सामाजिक बंधुओं से अपील की है कि उक्त कार्यक्रम में सहपरिवार पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

*स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रहलाद शर्मा द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, देशबंधु परिसर, प्लॉट नं.26-बी, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल,म.प्र. से मुद्रित अनोखा तीर कार्यालय नया बस स्टैंड के सामने, हरदा, म.प्र. से प्रकाशित। **प्रधान संपादक** सुरेश लोहाना / **संपादक** प्रहलाद शर्मा / **प्रबंध संपादक** महेश कौशिक। फोन : 07577-226771 मो.9425045480, समाचार चयन के लिए पी.आर. बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। **सभी विवादों का न्याय क्षेत्र हरदा रहेगा।***

भाकिसं ने विभिन्न मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन

अनोखा तीर, हरदा। भारतीय किसान संघ जिला हरदा द्वारा एक दिवसीय सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर शासन-प्रशासन के समक्ष विभिन्न मांगें पुरजोर तरीके से रखी गईं तथा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। संघ ने मांग की कि आगामी गेहूं खरीदी 2700 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की जाए एवं मक्का की खरीदी समर्थन मूल्य 2400 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से सुनिश्चित की जाए। वर्तमान समय में किसानों की मक्का ओने-पौने दामों पर खरीदी जा रही है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। संगठन ने ग्रीष्मकालीन मूंग की फसल के लिए नहरों में पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने, मोरंड-गंजाल संयुक्त सिंचाई परियोजना शीघ्र प्रारंभ करने तथा तवा सिंचाई परियोजना से वंचित किसानों को शहीद इलाप सिंह परियोजना में जोड़े जाने की मांग भी की। ई-टोकन व्यवस्था के माध्यम से वितरित किए जाने वाले खाद में को-ऑपरेटिव सोसायटी को प्राथमिकता से खाद उपलब्ध कराने की बात कही गई, ताकि किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ मिल सके। इसके अलावा कृषि विभाग द्वारा किसानों को उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने, रहटगांव, सिराली एवं हंडिया तहसील में गोदाम बनाकर खाद विक्रय केंद्र खोलने तथा जिले में रबी सीजन के दौरान ओलावृष्टि एवं बेमौसम बारिश से खराब हुई फसलों की क्षतिपूर्ति एवं बीमा राशि उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। इन मांगों के संदर्भ में ज्ञापन एसडीएम अशोक डेरिया को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा गया। जिला प्रवक्ता राजनारायण गौर ने बताया कि वर्तमान में संगठन जिला केंद्रों पर सांकेतिक धरना प्रदर्शन कर रहा है। यदि मांगों पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया तो भारतीय किसान संघ प्रदेश स्तर पर बड़ा आंदोलन करेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष महेश शर्मा, हरिशंकर सारण, रामकृष्ण मुकाती, विनोद पाटिल, आनंद राम किरार, विजय मलगाया, राजेंद्र बांके, श्याम पाटिल, ब्रज मोहन राठौर, दीपचंद नवाद, बालकदास छापरे, विष्णु गौर, बालकृष्ण मलगाया सहित अन्य किसान उपस्थित रहे।

रंगभरी ग्यारस पर गूंजा 'हारे का सहारा'

हजारों श्रद्धालुओं ने निकाली विराट पदयात्रा

अनोखा तीर, हरदा।

रंगभरी ग्यारस के पावन अवसर पर शुक्रवार को हरदा पूरी तरह श्याम भक्ति में सराबोर नजर आया। श्री खाटू श्याम के चौथे वर्ष उत्सव के उपलक्ष्य में भव्य फाग उत्सव एवं निशान पदयात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हारे का सहारा, बाबा श्याम हमारा के जयघोष से पूरा नगर गुंजायमान हो उठा। सायं 4 बजे संत रविदास चौक स्थित श्री खेडापति हनुमान मंदिर परिसर से विधिवत पूजा-अर्चना के साथ पदयात्रा का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालु केसरिया साफा धारण कर, हाथों में रंग-बिरंगी ध्वजाएं और निशान लिए भक्ति भाव से आगे बढ़े। डीजे, बैंड-बाजों और ढोल-ताशों की थाप पर युवा और महिलाएं झूमते-गाते चल रहे थे। मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा और इत्र की वर्षा कर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। गुलाल की रंगत और खुशबू से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बन गया। यात्रा विभिन्न प्रमुख मार्गों से होती हुई प्रताप सिटी कॉलोनी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पहुंची। यहां विशेष पूजा-अर्चना और गुलाल अर्चना की गई। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और देर रात तक दर्शन का सिलसिला जारी रहा। हजारों भक्तों ने बाबा श्याम के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रात्रि में भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों की बड़ी भागीदारी ने आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। मंदिर में 56 भोग का प्रसाद अर्पित किया गया तथा श्रद्धालुओं के बीच विधिवत वितरित किया गया। इस भव्य आयोजन का संचालन श्री खाटू श्याम परिवार समिति द्वारा किया गया। समिति पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं। हेमंत मोराने ने बताया कि रंगभरी ग्यारस पर निकली यह पदयात्रा नगर की धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का अद्भुत उदाहरण है। इत्र की महक, गुलाल की बौछार, ढोल-ताशों की गूंज और जयघोषों के बीच निकली यह विराट निशान पदयात्रा नगरवासियों के लिए लंबे समय तक यादगार बनी रहेगी।

खाटू श्याम की 18 किमी भव्य पैदल निशान यात्रा, जगह-जगह पुष्प व इत्र वर्षा

सैकड़ों भक्त नाचते-गाते मंदिर पहुंचे, महाप्रसाद वितरित

अनोखा तीर, सोडलपुर।

फाल्गुन एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार सुबह 7.30 बजे सोडलपुर ग्राम से खाटू श्याम बाबा की 18 किलोमीटर लंबी भव्य पैदल निशान यात्रा श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली गई। यात्रा में सैकड़ों महिला-पुरुष श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तजन बाबा की ध्वजाएं लहराते हुए भजन-कीर्तन और जयकारों के साथ आगे बढ़ते रहे। यात्रा काकड़वाली इमली से प्रारंभ होकर मनयाखेड़ी, भाटपराटया, कोटलाखेड़ी, डबल फाटक, अंबेडकर चौराहा, एलआईजी कॉलोनी, इंदौर रोड होते हुए खंडवा बायपास स्थित प्रताप सिटी कॉलोनी में स्थित मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प एवं इत्र वर्षा कर निशान यात्रा का स्वागत किया गया। बाबा के सुंदर रथ एवं झांकी की भक्तों द्वारा पूजा-अर्चना की गई। पैदल यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व सभी ध्वजाओं की विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती की गई। यात्रा इंदिरा कॉलोनी, रहटगांव रोड, मालीपुर, बाजार चौक, गुठान मोहल्ला होते हुए कान्हा बाबा चौक पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने कान्हा बाबा समाधि एवं बाबा रामदेव मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। निशान यात्रा में महिलाओं की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। महिलाएं भजन-कीर्तन करते हुए शोभायात्रा की शोभा बढ़ा रही थीं, वहीं पुरुष वर्ग भी बाबा के भजनों पर नाचते-गाते ध्वजाएं लहराते चल रहे थे। मंदिर पहुंचने पर सामूहिक आरती के पश्चात महाप्रसाद का वितरण किया गया। यात्रा के दौरान टिमरनी एवं हरदा पुलिस प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा और पूरी यात्रा के साथ बना रहा। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा और श्याम बाबा की जय के जयकारों से क्षेत्र गूंज उठा।

होली धुलेंडी व रंगपंचमी पर्व पर शुष्क दिवस घोषित

अनोखा तीर, हरदा।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सिद्धार्थ जैन ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 24 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए 3 मार्च होली धुलेंडी पर्व तथा 8 मार्च को रंगपंचमी पर्व पर शुष्क दिवस घोषित किया है। जारी आदेश अनुसार शुष्क दिवस पर जिले में स्थित सभी कम्पोजिट मदिरा दुकानों, अम्बी वाईन शॉप एवं देशी मदिरा स्टोरेज भंडारागार 3 मार्च को प्रात:काल से शाम 5 बजे तक तथा 8 मार्च को प्रात:काल से शाम 4 बजे तक बंद रहेंगे। इस दौरान जिले में मदिरा का विनिर्माण, क्रय-विक्रय एवं परिवहन पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा।

स्वच्छ सर्वेक्षण कार्यशाला एवं सफाईमित्रों का हुआ सम्मान

अनोखा तीर, हरदा। नगर पालिका परिषद हरदा द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) अंतर्गत आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारी हेतु निरंतर कार्य किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती राजू कमेडिया की अध्यक्षता में नगर पालिका सभागृह में स्वच्छ सर्वेक्षण की तैयारी के लिए सफाई मित्रों, घर-घर कचरा संग्रहण वाहन चालकों एवं हेल्परों तथा स्वच्छता प्रभारी वार्ड दरोगाओं का क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के विभिन्न घटकों जैसे शहरी स्वच्छता, घर-घर से कचरा संग्रहण एवं पृथक्कीकरण, बरसाती नालों एवं नालियों की सफाई, स्वच्छता संबंधी शिकायतों के निराकरण तथा नागरिक सहभागिता जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई मित्रों का सम्मान भी किया गया। आयोजन में मुख्य नगर पालिका अधिकारी कमलेश पाटीदार, स्वच्छ भारत मिशन नोडल अधिकारी उपयंत्री विवेक दुबे, जन स्वास्थ्य शाखा प्रभारी दीपक सोनाली, स्वच्छता प्रभारी किरण राठौड़, उपेंद्र कलोसिया, समस्त वार्ड प्रभारी दरोगा, पहल संस्था सदस्य नवीन कुशवाहा, मनीष घावरी, राजकुमार परमार सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

इस बार होली गौकाष्ठ वाली

"मेरे प्रिय प्रदेशवासियों, इस होली पर
आइए, एक पर्यावरण-अनुकूल कदम उठाएं, लकड़ी की जगह **'गौकाष्ठ'** को
उपयोग करें। लकड़ी जलाने से पेड़ों की कटाई बढ़ती है, जबकि गौमाता के
गोबर से बनी गौकाष्ठ प्राकृतिक, शुद्ध, सुरक्षित और
पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प है।
आइए, मिलकर हरियाली बचाएं और स्वच्छ, जिम्मेदार होली मनाएं।"

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

पर्यावरणीय होलिका दहन पुरस्कार

सरकार द्वारा हर जिले में पर्यावरण अनुकूल, गौकाष्ठ से होलिका दहन करने वाली समितियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा

सभी सार्वजनिक होलिका दहन समितियों का आह्वान

नि:शुल्क पंजीयन के लिए अपने नगरीय निकाय/ जनपद पंचायत में संपर्क करें

D-11213/25

गौकाष्ठ से होगा होलिका दहन
बचेंगे गौवंश, पेड़ और वन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी